स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 12 ✦ 25 जून 2019 ✦ वर्ष 7 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा एवं श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

के **स्वर्ण जयंती वर्ष (1969-2019)** पर

दिल्ली में आयोजित केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक

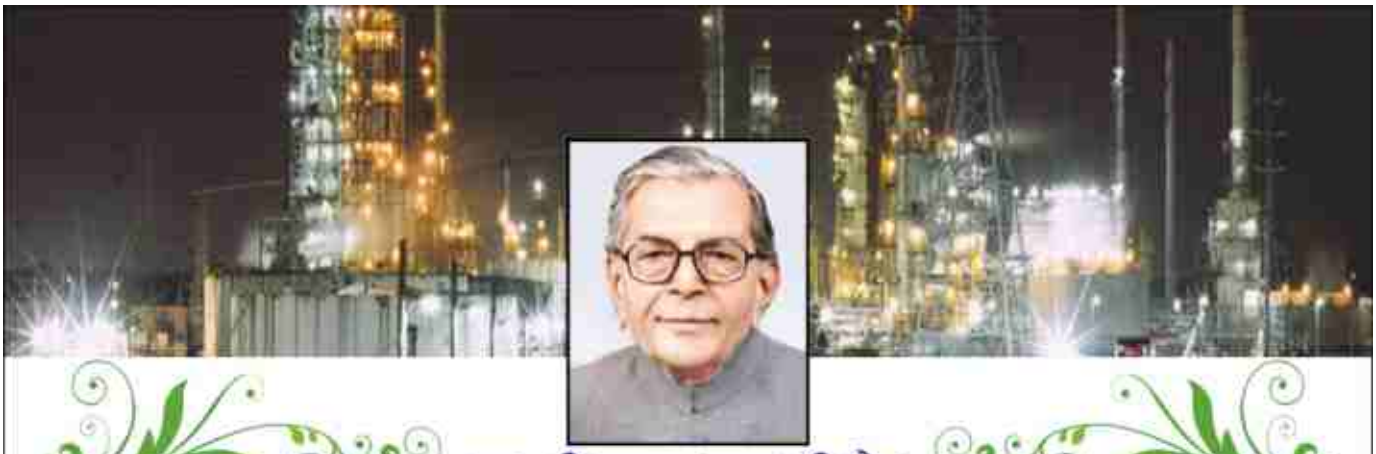

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन

सादर श्रृद्धांजलि

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

ENERGY DISTRIBUTION SOLUTIONS

WINNER OF :

- ★ TOP EXPORTER AWARD FROM EASTERN REGION (2005-2006) GOLD TROPHY
- ★ STAR PERFORMANCE (YEAR 2004-2005, 2005-2006)
- ★ BHARATIYA UDYOG RATAN (GOLD MEDAL) YEAR-2002
- ★ AWARD FOR EXPORT EXECLLENCE (YEAR- 2000-01, 2001-02, 2003-04)
- ★ AWARD FOR NATIONAL PRODUCTIVITY (YEAR-1994-65)

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :

Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

स्थापित 1968

मूल्य ₹ 5/-

अंक 12 ✦ 25 जून 2019 ✦ वर्ष 7

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

अध्यक्ष की कलम से....

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की वर्तमान कार्यकारिणी को कार्यभार संभाले लगभग एक वर्ष का समय हो गया है। ऐसे अवसर पर आत्मनिरीक्षण करना आवश्यक हो जाता है।

इस बात का मुझे संतोष है कि कार्यकारिणी समिति की त्रैमासिक बैठक नियमित रूप से हो रही है तथा कोई भी बैठक कोरम के अभाव में स्थगित नहीं करनी पड़ी। इसके लिये कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य साधुवाद के पात्र हैं।

असहाय/विधवा सहायता के अन्तर्गत देय राशि दोगुनी करने के बावजूद इस मद में कोई घाटा न होने की स्थिति के लिये इस कार्य में सहयोग करने वाले समाज बंधुओं का मैं विशेष रूप से आभारी हूं। अन्य समाज बंधुओं/बहिनों से निवेदन है कि रू. 12,000/- प्रति सहायता sponsor करने की कृपा करें ताकि इस कार्य को और आगे बढ़ाया जा सके।

कार्यकारिणी में लिये गये निर्णयानुसार पल्लीवाल जैन समाज की अखिल भारतीय टेलिफोन निर्देशिका, पल्लीवाल जैन इंजीनियर्स फॉरम एवं डॉक्टर्स फॉरम के अन्तर्गत पंजीकरण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। कृपया सभी स्वयं का एवं अन्य संबंधियों/परिचितों का पंजीकरण ऑन-लाइन/ऑफ-लाइन कराने का कष्ट करें।

सभी शाखा पदाधिकारियों से निवेदन है कि और अधिक सक्रिय होकर तत्परता से महासभा की विभिन्न योजनाओं में सहयोग देवें । शाखाओं के चुनाव नियमित रूप से होने चाहिए ताकि शाखाओं की गतिशीलता बनी रहे। ऐसे गांवों की सूची, जहां कुछ पल्लीवाल जैन परिवार रहते हैं परन्तु पत्रिका नहीं जाती, भी शाखाएँ भिजावें ताकि निःशुल्क पल्लीवाल जैन पत्रिका उन गांवों में भिजवाने की व्यवस्था की जा सके। आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के माध्यम से स्किल डवलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक युवक-युवतियों के नाम भी प्रेषित करने का कष्ट करें ताकि वे लाभान्वित हो सकें।

आशा है कार्यकारिणी को सभी का सहयोग शेष कार्यकाल में भी इसी भांति मिलता रहेगा।

सादर जय जिनेन्द्र।

-आर.सी. जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT.LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY
TRAFO
PRODUCTS
-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS
-PRESSED STEEL RADIATORS
-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS
-PACKAGE SUBSTATION
CONTACT
Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India
Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

(शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत पल्लीवाल जैन समाज की एक संस्था)

यह देखते हुए कि शिक्षा के क्षेत्र में पल्लीवाल जैन समाज की कोई संस्था कार्य नहीं कर रही है, लगभग पांच वर्ष पूर्व समाज के 11 व्यक्तियों ने एक-एक लाख रूपये की सदस्यता ग्रहण कर 'पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति' का पंजीयन कराया तथा प्रारम्भ में जरूरतमंद छात्र/छात्राओं को स्कूल/कॉलेज की फीस में कुछ सहायता तथा जयपुर में अन्य क्षेत्रों से अध्ययन हेतु आये हुए छात्रों के लिये नि:शुल्क हॉस्टल की व्यवस्था का कार्य प्रारम्भ किया। वर्तमान में शिक्षा समिति के माध्यम से निम्न योजनायें संचालित हैं :-

1. जरूरतमंद छात्र/छात्राओं को फीस में मदद।

2. जयपुर में अध्ययनरत छात्रों हेतु हॉस्टल की नि:शुल्क व्यवस्था।

3. अखिल भारतीय सिविल सेवाओं (आई.ए.एस. आदि) की मुख्य (Mains) लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को साक्षात्कार (Interview) की तैयारी हेतु एक लाख रू. की प्रोत्साहन राशि प्रदान करना।

यह हर्ष की बात है कि इस योजना के अन्तर्गत अब तक तीन युवक-युवतियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई और तीनों का ही चयन अखिल भारतीय सेवाओं (IPS/IRS/IFS) में हो चुका है।

4. कक्षा 12 (सी.सै. स्कूल परीक्षा) में 95 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को रू. 11,000/- की प्रतिभा प्रोत्साहन राशि प्रदान करना।

5. देश के चयनित पांच-पांच इंजीनियरिंग/मेडिकल/लॉ/ मैनेजमेंट कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को रू. पांच लाख प्रतिवर्ष तक का शिक्षण-ऋण उपलब्ध कराना।

6. आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के माध्यम से स्किल डवलपमेंट हेतु प्रशिक्षण दिलाना।

<u>पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति की भावी योजनायें :-</u>

1. शिक्षा समिति को दान में प्राप्त भूखण्ड पर हॉस्टल एवं पूर्व प्राथमिक (Pre-Primary) स्कूल के निर्माण कार्य की तिथि शीघ्र घोषित कर दी जायेगी।

2. कक्षा 10 (सैकण्डरी स्कूल परीक्षा) में 95 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतिभा प्रोत्साहन राशि रू. 2,100/- प्रदान करना।

3. सीनियर सैकण्डरी स्कूल की स्थापना हेतु राज्य सरकार से भूखण्ड प्राप्त करना।

4. देश में किसी भी शहर में पल्लीवाल जैन समाज द्वारा स्थापित की जाने वाली शिक्षण संस्थाओं एवं हॉस्टल के निर्माण में सहयोग करना।

5. वर्तमान में छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के दायरे में वृद्धि करना।

यह अवगत कराया जाना समीचीन होगा कि 'पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति' पल्लीवाल जैन समाज की एक अखिल भारतीय संस्था है जो शिक्षा के क्षेत्र में पल्लीवाल जैन समाज के बच्चों के लिये कार्य कर रही है। समाज बंधुओं से निवेदन है कि संस्था को सक्षम बनाने में यथासंभव सहयोग प्रदान करें। सहयोग निम्न प्रकार किया जा सकता है :-

1. रू. एक लाख की संरक्षक सदस्यता लेकर (अब तक लगभग 130 समाज बंधु शिक्षा समिति की संरक्षक सदस्यता ले चुके हैं)। सदस्य की मृत्यु के पश्चात् सदस्यता नॉमिनी के नाम स्वत: हस्तान्तरणीय है। सदस्यता राशि किश्तों में भी चुकाई जा सकती है।

2. हॉस्टल के निर्माण में सहयोग राशि प्रदान कर।

3. शिक्षा समिति को अपने सुझावों से लाभान्वित कर।

4. अपने शहर में शिक्षण संस्था अथवा हॉस्टल संचालित कर।

5. कक्षा 10 एवं 12 में 95 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों की अंकतालिका की प्रति भिजवा कर ताकि उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके।

4. हॉस्टल में रहने के इच्छुक छात्रों की सूचना भिजवा कर।

आपके मार्गदर्शन एवं सहयोग की कामना के साथ।

राजेश जैन *(एडवोकेट), मो.: 9414052876*
मंत्री, पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

रजि. सं. 237/69-70

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

स्थापित 1968

दूरभाष निर्देशिका संयोजक कार्यालय : 2 बी, रामद्वारा कॉलोनी, महावीर नगर,
दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास, जयपुर-302018, फोन : 0141-2653584, मो.: 9414047684

दूरभाष निर्देशिका का प्रकाशन

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की कार्यकारिणी ने दि. 3 मार्च, 2019 को श्री सिद्ध क्षेत्र जम्बू द्वीप चौरासी मथुरा में यह निर्णय लिया था कि **अखिल भारतीय स्तर पर पल्लीवाल जैन समाज की एक दूरभाष निर्देशिका** का प्रकाशन महासभा की ओर से किया जाना चाहिए। इसके लिए कार्यकारिणी ने मुझे इस निर्देशिका के सम्पादन, प्रकाशन की जिम्मेदारी दी है।

वैसे तो माननीय महामंत्री महासभा द्वारा दूरभाष निर्देशिका में प्रकाशित किये जाने वाली सूचनाओं को एकत्रित करने के लिये महासभा की समस्त शाखाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री महोदय को समुचित मात्रा में फार्म भेज दिये हैं जिससे वे अपनी शाखा क्षेत्र के समाज बंधुओं से फार्म में चाही गई सूचनाओं को भरवा कर दूरभाष निर्देशिका संयोजक के पते पर भेज सकें।

महामंत्री जी ने महासभा के सभी पदाधिकारियों एवं माननीय कार्यकारिणी सदस्यों को भी समुचित संख्या में दूरभाष निर्देशिका के लिए भरे जाने वाले फार्म भेजे हैं ताकि वे अपने क्षेत्र में रह रहे पल्लीवाल जैन समाज के बन्धुओं से फार्म भरवा सकें।

इस दूरभाष निर्देशिका को हम एक समय सीमा में संकलित सम्पादित और प्रकाशित करना चाहते हैं इसलिए दूरभाष निर्देशिका के लिए चाही गई सूचनाओं के लिए फार्म का प्रकाशन श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका में भी कर रहे हैं। कृपया पल्लीवाल जैन पत्रिका में छापे गये फार्म को पत्रिका में से न फाड़े, बल्कि अपने परिवार तथा रिश्तेदारों, मिलने वालों के लिए उस फार्म की फोटो कॉपी करवायें और चाही गई सम्पूर्ण जानकारी दूरभाष निर्देशिका संयोजक के पते पर, जो ऊपर मुद्रित है, पर भेज दें।

निर्देशिका के लिये सूचनाऐं एकत्रित करने के लिए एक बेवसाइट बनाई गयी है। वेबसाइट का लिंक www.palliwaljaindirectory.com है, जब आप साइट खोलेंगे तो कुछ निर्देश दिये गये हैं, कृपया निर्देशों को गम्भीरता से पढ़कर ऑनलाइन भी अपना निर्देशिका का फार्म भर सकते हैं।

फार्म भरते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें :-

1. श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका से यदि फार्म की फोटो कॉपी कराई गई है तो ध्यान रखें कि फोटो कॉपी साफ हो।
2. फार्म को साफ-साफ अक्षरों में नीले रंग के पैन से भरें।
3. फॉर्म परिवार के मुखिया द्वारा ही भरा जाना है।
4. ध्यान दें कि फार्म पर फोटो आवश्यक रूप से चिपकाई हुई होनी चाहिए। देखा गया है कि फार्म पर लगाई जाने वाली फोटो को स्टेपल या पिन से लगा कर भेज दिया जाता है, स्टेपल या पिन से अटकाई हुई फोटो के फार्म से हटने की संभावना के कारण ही आपसे आग्रह है कि फोटो को फार्म पर बने स्थान पर चिपका कर ही भेजें।

कृपया अपने दूरभाष निर्देशिका के लिए भरे फार्म दूरभाष निर्देशिका संयोजक के पते पर ही भेजें।

-अशोक कुमार जैन
(संयोजक, दूरभाष निर्देशिका)

रजि. सं. 237/69-70

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

स्थापित 1968

पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज

दूरभाष निर्देशिका संयोजक कार्यालय : 2 बी, रामद्वारा कॉलोनी, महावीर नगर,
दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास, जयपुर-302018, फोन : 0141-2653584, मो.: 9414047684

दूरभाष निर्देशिका में प्रकाशन हेतु प्रपत्र

कृपया फोटो को गोंद द्वारा ही चिपकाऐं पिन या स्टेपलर का इस्तेमाल न करें।

1. मुखिया का नाम .....

   Name in English (Capital Letters).....
2. पिता / पति का नाम .....
3. मूल निवासी/निकास .....
4. जन्मतिथि .....गोत्र .....
5. शिक्षा .....
6. पूर्ण पता *(पिन कोड सहित)*.....

   .....
7. फोन *(एसटीडी कोड सहित)*.....मो. .....
8. ईमेल .....
9. व्यवसाय की प्रकृति / सेवा में धारित पद .....
10. व्यवसाय / सेवा स्थल का पता .....

    .....

दिनांक :

स्थान : **हस्ताक्षर आवेदक**

नोट : *फार्म को साफ-साफ अक्षरों में नीले रंग के पैन से भरें।*

जैन संस्कृति - श्रमण संस्कृति

****

जैन संस्कृति कर्म प्रधान संस्कृति है। इस संस्कृति के अनुसार व्यक्ति अपने को भाग्य भरोसे छोडने के स्थान पर कर्म मार्ग अपनाकर भौतिक और आध्यात्मिक सुख प्राप्त कर सकता है। कर्मठता द्वारा ही सांसारिक भोग मिलते हैं और कर्मठता द्वारा ही इस संसार सागर को पार किया जा सकता है। अच्छे–बुरे का दोष किसी अन्य को देने की बजाय व्यक्ति अपने कर्मों का निरीक्षण करे और यह देखे कि मैंने कैसे कर्म किए हैं जिनका यह फल मिला है।

जो जैन संस्कृति श्रमण संस्कृति है। यहाँ श्रम भाव को अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। यह पुरूषार्थ का प्रतीक है। लौकिक और पारलौकिक दोनों ही दृष्टियों से श्रम को प्रतिष्ठित किया गया है।

लौकिक दृष्टि से कर्मवाद का सिद्धान्त श्रम की प्रतिष्ठा करता है। कर्मवाद का मूल यही है कि हम जैसा कर्म करेंगे उसके अनुसार ही फल प्राप्त करेंगे। शुभ व सत्कर्म का शुभफल मिलेगा, अशुभ व असत्य कर्म का अशुभ फल मिलेगा। इसका तात्पर्य यह है कि हमारा श्रम सदैव फलदायी होता है। कर्म या श्रम के कारण ही आत्मा या जीव नाना प्रकार के सुख दुःख भोगता है। किए गए कर्म का फल अवश्य भोगना पड़ता है इससे बचना सम्भव नहीं है। वर्तमान में जीव जो कार्य कर रहा है या जो परिणाम भोग रहा है वे पूर्वकृत कर्मों के परिणाम हैं इनके फल को कोई मिटा नहीं सकता। यदि कृत श्रम का फल सुख भोगना है तो वह अवश्य ही सुख भोगेगा, यदि कृत श्रम का फल दुःख भोगना है तो वह अवश्य ही दुःख भोगेगा। यदि कर्मों का फल रोग है तो औषधियाँ निरर्थक हो जाती है। व्यक्ति की श्रम सामर्थ्य के आगे दैवी शक्तियाँ भी हार जाती हैं– ''न तो कोई देवी देवता आदि जीव को लक्ष्मी देता है और न कोई उसका उपकार करता है। शुभाशुभ कर्म ही जीव का उपकार या अपकार करते है। इस प्रकार व्यक्ति का श्रम ही है जो व्यक्ति को सफलता असफलता दिलाता है।

श्रम के साथ जिन भावों से श्रम किया जाता है वे भी महत्त्वपूर्ण हैं। अगर श्रम के साथ भाव कलुषित हैं तो श्रम पतन का कारण बनता है और श्रम के साथ भाव शुद्ध हैं, तो श्रम कल्याणकारी होता है। मनोभावों में परिवर्तन के कारण ही हिंसा अहिंसा होती है। इस प्रकार शुद्ध मनोभावों के साथ किया गया श्रम समृद्धि की ओर ले जाता है। वही दुष्मनोंभावों के साथ किया गया श्रम दुर्गति की ओर ले जाता है।

जैनागम में मुक्तिमार्ग का हेतु ''श्रम'' है। श्रम से ही ''श्रमण'' शब्द बना है जो साधु के लिए प्रयुक्त होता है। श्रम का आध्यात्मिक रूप ''तप'' है। सात्विक श्रम को तपश्चर्या कहा गया है। जैनागम में कहा है – जो श्रम करता है अर्थात् तपश्चर्या करता है अथवा जो श्रम–तप के द्वारा शरीर को तपाता है वह श्रमण है।

श्रमणाचार में प्रत्येक स्थान पर श्रम भाव की प्रतिष्ठा है। यहाँ किया गया तप श्रम ही है। तप द्वारा जीवन में समस्त सात्विक प्रवृत्तियों को समाहित किया है। जैनागम में श्रमणों के लिए जिस वृत्ति का विधान है वह कठोर तपश्चर्या है। साधुओं के आहार–विहार, रहन–सहन, जीवनचर्या में प्रत्येक स्थान पर सूक्ष्मता से इस बात का ध्यान रखा गया है कि साधु स्वयं ही प्रत्येक कार्य करें।

श्रमण मन, वचन और काय तीनों प्रकार से तप करता है। वह महाव्रतधारी होता है। आत्मशुद्धि के लिए शारीरिक तप करता है, भावशुद्धि के लिए गुप्ति, समिति आदि क्रियाएँ करता है।

श्रमण इतना अहिंसक होता है कि सभी प्रकार से हिंसा उसके लिए वर्जित है। तपस्वी सभी प्रकार से असत्य का परित्याग कर देता है– अपने लिए या दूसरों के लिए, क्रोध से अथवा भय से हिंसाकारक और असत्य न बोले, न ही दूसरों से बुलवाए और न बोलने वालों का अनुमोदन करें।'' साधु किसी प्रकार की चोरी नहीं करता हैं।

अब्रह्मचर्य श्रमण की तप में महान बाधा है, अतः श्रमण ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। ब्रह्मचर्य महान तप है। इसमें साधक दस अब्रह्मों का त्याग करता है। ब्रह्मचर्य व्रत का पालन बड़ी तपस्या है क्योंकि संसार में ब्रह्मचर्य से डिगने के अनेक रास्ते हैं।

तपस्वी समस्त प्रकार के परिग्रहों का त्यागी होता है। वह अतरंग और बाह्य दोनों परिग्रहों का त्यागी होता है। सबसे पहले अन्तरंग से परिग्रह का त्याग होता है।

महाव्रतों को धारण करना ही सच्चा तप है। महाव्रतों को धारण करना अत्यन्त कठिन कार्य है। इसमें समिति और गुप्ति का विधान है। समिति पांच हैं – ईर्या, भाषा, एषणा, आदान–निक्षेपण और उत्सर्ग । ईर्यासमिति में चलने फिरने में

सावधानी, भाषा समिति में बोलने–चालने में सावधानी, एषणा समिति में आहार ग्रहण करने में सावधानी, आदान–निक्षेपण समिति में वस्तुओं को उठाने–धरने में सावधानी, उत्सर्ग समिति में मलमूत्र निक्षेपण में सावधानी होती है। गुप्ति के द्वारा संसार के कारणों से आत्मा की रक्षा होती है। गुप्ति मन, वचन व काय से होती है। तपस्वी शीत, उष्ण, भूख, प्यास आदि 22 परिषहों का विजयी होता है।

इस प्रकार जैन धर्म पूर्णरूपेण तप को महत्त्व देता है। जैन धर्म के अनुसार व्यक्ति केवल स्वयं के प्रयासों द्वारा ही मुक्ति हो सकता है। महावीर स्वामी ने अपने जीवन में इसी पुरूषार्थी संस्कृति का आदेश दिया था तथा इसी पुरूषार्थ को जिया था। एक राजकुमार के रूप में जन्म ग्रहण करने के बावजूद महावीर स्वामी का जीवन घोर तप त्याग का जीवन रहा। जिस अपूर्व स्वावलम्ब का आदर्श अपनाया और जिस अप्रतिहत पुरूषार्थवाद का संदेश दिया वह उस युग में श्रमभाव की प्रतिष्ठा का जीवन्त उदाहरण था। श्रमण बनकर उन्होंने किसी की सेवा नहीं ली। देवराज इन्द्र की भी सेवा करने की प्रार्थना को उन्होंने अस्वीकार कर दिया। महावीर स्वामी ने उनसे कहा– ''मैं अपने श्रम बल और पुरूषार्थ से ही सिद्धि प्राप्त करूंगा, किसी अन्य के सहयोग की आकांक्षा करके नहीं।''

श्रमण के लिए भी महावीर स्वामी ने अपना काम अपने हाथों करने का आदेश दिया है। जो दूसरों से सेवा नहीं लेता वही सच्चा श्रमण है। यह महावीर वाणी का उद्घोष है। श्रम हीन श्रमण को महावीर स्वामी ने पापी श्रमण कहा है– ''जो व्यक्ति प्रव्रजित होकर भी रात दिन नींद लेता रहता है, आलस में डूबा रहता है और खा–पीकर पेट पर हाथ फिराता रहता है, वह चाहे श्रमण ही क्यों न हो वह पापी है।''

जैन धर्म में कर्मानुसार ही वर्ण का विधान किया है– ''कोई व्यक्ति ब्राह्मण के कर्म करने पर ही ब्राह्मण कहलाता हैं, क्षत्रिय के कर्म करने पर ही क्षत्रिय कहलाता हैं, वैश्य के कर्म करने पर ही कोई वैश्य बन सकता है और शूद्र के कर्म करने पर ही कोई शूद्र कहलाता है। जिस श्रेणी का मनुष्य कर्म करता है वह उसी श्रेणी का हो जाता हैं केवल बाह्य रूप में दिखावा करने मात्र से नहीं होता।

सम्पूर्ण जैन संस्कृति कर्म प्रधान, श्रम प्रधान संस्कृति है। यहाँ बार–बार मनुष्य को कर्माधीन माना है। महावीर स्वामी ने कहा है – व्यक्ति जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। अपने श्रम के बल पर ही मुक्ति प्राप्त करता है। अपने पुरूषार्थ द्वारा ही मनुष्य संसार में विजय प्राप्त करता है। यही श्रम की प्रतिष्ठा का भाव जैन संस्कृति में पूर्णतया विद्यमान है।

–डॉ. धीरज जैन

साभार : वर्तमान में वर्धमान

आवश्यक सूचना

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के सदस्यों को पत्रिका न मिलने/देरी से मिलने की सूचना प्राप्त होने पर डाक विभाग में शिकायत किये जाने पर डाक विभाग से जानकारी प्राप्त हुयी है कि सम्भवत: एक स्थान पर एक समान नाम के व्यक्तियों के होने से/पत्रिका में पते के साथ पिन कोड नं. न होने/गलत होने के कारणों से पत्रिका नियत समय नहीं पहुँच पा रही होगी। अत: समस्त सदस्यों से अनुरोध है कि आपके पते को सही/दुरस्त किये जाने हेतु आप निम्न जानकारी (अंग्रेजी Capital अक्षरों में)–

(1) सदस्यता संख्या, (2) सदस्य का नाम, (3) सदस्य के पिता/पति का नाम, (4) पता, (5) जिले का नाम, (6) राज्य का नाम, (7) पिन कोड नं., (8) दूरभाष नं. / मोबाइल नं.

संयोजक के पते पर लिखित में अथवा ईमेल द्वारा अवगत कराने का श्रम करावें। ***-संयोजक***

समस्त पाठकों से निवेदन है कि श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका हेतु वैवाहिक विज्ञापन, पते में संशोधन व अन्य प्रकाशनार्थ सामग्री व्हाट्सएप पर न भेंजे। समस्त सामग्री ई-मेल या पोस्टल डाक से ही भिजवायें।

बधाई

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन, आई.ए.एस. (से.नि.) के एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति की कार्यकारिणी का निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई। श्री आर.सी. जैन साहब गत 17 वर्षों से सुबोध शिक्षा समिति की कार्यकारिणी समिति के सदस्य के रूप में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

अहंकार मुक्त जीवन

अपने होने का एहसास होना अच्छी बात है। पर उस एहसास का इस हद तक बढ़ जाना कि कुछ और भान ही न रहे, समस्या पैदा करता है। हम यह स्वीकार ही नहीं कर पाते कि हम भी गलत हो सकते हैं। फिर बात–बेबात हम हर चीज का केंद्र खुद को बनाने लगते हैं। अपने अहं की जड़ों को फैलने से रोकना आसान नहीं होता।

क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ लोग इतने कटु क्यों होते हैं, या बिना किसी कारण आपकी जिंदगी से बाहर क्यों चले जाते हैं? क्या कभी यह सोचा है कि पिछले हजार वर्षों में जितने युद्ध लड़े गए, वे क्यों शुरू हुए? यहां तक कि कुछ युद्ध तो काफी भयानक थे। इनमें न जाने कितनी जिंदगियां खत्म हो गईं। और क्या आपने कभी उन तमाम अपराधों के बारे में सोचा, जो लाखों लोगों की जान ले रहा है? चाहे दांव पर दोस्ती लगे, या युद्ध हो या फिर अपराध, ये सभी एक ही कुख्यात स्रोत से शुरू होते हैं, जो है इगो, यानी हमारा अहंकार। इसे छोड़ना हमारे लिए वाकई बहुत मुश्किल होता है। हमें असलियत में अपने इसी अहंकार से मुक्ति पानी है। मगर इसके लिए सबसे जरूरी यह समझना है कि अहंकार आखिर क्या है? हमें क्यों यह मान लेना चाहिए कि कभी–कभी हम भी गलत हो सकते हैं? अगर आप इन सवालों के जवाब तलाश लेते हैं, तो यकीन मानिए आपका जीवन कहीं ज्यादा सुखद बन जाएगा।

अहंकार क्या है

चार वर्णों का यह शब्द हमारे कंधे पर बैठे उस शैतान की तरह है, जिसके बारे में हम हमेशा से पढ़ते आए हैं। यह 'आपका' वैकल्पिक संस्करण है, जो आपकी तमाम असुरक्षा, भय, घृणा और धारणा को पालता–पोसता है। जो आपके लिए सही है, यह उसका विरोधी है। यह आपके नायकत्व का दुश्मन है। यह आपके प्रकाश के लिए अंधेरा है।

अहंकार, दरअसल एक अपरिपक्व, हाथ–पैर मारने वाला, रोने वाला और तेज चिल्लाने वाला बच्चा है। यह हम सभी के पास है। यह हमसे दूर कहीं नहीं जाता। इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि हम इसे शांत करने की कोशिश करें। ऐसा करना कई धर्मों का मूल तत्व भी रहा है, खासतौर से पूर्वी देशों के दर्शन में। हालांकि कुछ भाग्यशाली लोग ही अहंकार को परे धकेलने जैसी उपलब्धि अर्जित कर पाते हैं। ईमानदारी से कहूं, तो उनकी राह पर चलकर आज के दौर में सफलता अर्जित करना हमारी बुद्धिमता शायद ही कही जाएगी। तब हमें ऐसा जीवन जीना होगा, जिसे जीने के लिए ज्यादातर लोग तैयार नहीं होंगे। इसलिए बेहतर विकल्प यही है कि हम खुद को इस लायक बनाएं कि जब अहंकार बड़ा हो जाए, तो उसे हम खुद महसूस कर सकें और उसे शांत करने की दिशा में संजीदगी से काम करें। हम इस काम में कदम–दर–कदम आगे बढ़ सकते हैं, हालांकि इसके लिए हमें खुद को संजीदा बनाना होगा जिससे हम जान सकें कि अहंकार की वजह क्या है?

कहां–कहां है अहंकार

अहंकार हर जगह है। इसका लगातार विस्तार होता जाता है। जैसे, अहंकार ही वह वजह है कि हर बातों को आप व्यक्तिगत रूप में ले लेते हैं। अहंकार के कारण ही संबंध–टूटने पर आप सामने वाले को नुकसान पहुंचाते हैं। अहंकार की वजह से ही आप सड़क पर किसी दूसरी गाड़ी द्वारा थोड़ी मुश्किल आने पर भी आप अपनी गाड़ी उसके आगे खड़ी करके उसे परेशान करने लगते हैं। अहंकार के कारण ही हम अपनी गलती नहीं मानते। अहंकार के कारण ही हम दूसरों के साथ रूखा व्यवहार करते हैं। इसी कारण अपनी विफलता या अवहेलना हम कतई पसंद नहीं करते। जाहिर है, अहंकार की यह सूची काफी लंबी है। हर दिन हमारा ऐसी तमाम परिस्थितियों से वास्ता पड़ता है, जब हम कई तरीकों से अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं। दुर्भाग्य से, इनमें से ज्यादातर मामलों में हमारा अहंकार हमारे आड़े आता है। फिर, जब परिस्थितियां हमारे वश में नहीं रह जातीं या वे हमारे खिलाफ चली जाती हैं, तब हम तुरंत खुद को बदकिस्मत मान बैठते हैं और इसका ठीकरा दूसरे लोगों पर फोड़ने लगते हैं। यह एक बीमार मानसिकता है, जिसका लगातार विस्तार होता जाता है। इसका लाभ कई दूसरे लोग भी उठा सकते हैं। फिर भी, हम हैं कि इस मानसिकता को बदलना नहीं चाहते।

खुद पर दें ध्यान

मुझे यह स्वीकार करने में ऐतराज नहीं है कि जब मैं गलत होता हूं, तो मुझे खुद से नफरत होती है। शायद यह मानने वाला मैं पहला इंसान हूं। इतना ही नहीं, जब मुझे नकारा जाता है, तब भी मुझे नफरत होती है। मैं एक बिंदु पर असफलता से भी नफरत करता हूं और मैं इसे तब तक टालना पसंद करता हूं, जब तक मैं ऐसा कर सकता हूं। मैं इसलिए इन चीजों से डरता हूं, क्योंकि यह मुझे अच्छा महसूस नहीं कराएगा। मेरा मानना है कि इस तरह की इंसानी भावनाएं कभी खत्म नहीं होतीं। थोड़ी–बहुत हमेशा बनी रहती हैं। मगर मैं इस मामले में भी पहला इंसान हूं, जो अपने अहंकार पर नियंत्रण रखता है। खुद पर पर्याप्त काम और अनवरत ध्यान करने की वजह से मैं वह सटीक क्षण बता सकता हूं, जब मेरा अहंकार दिखता है।

गलती मानने में हर्ज नहीं

मुझे यह भी बखूबी पता है कि कब भय की अधिकता के कारण मैं कुछ खास कदम नहीं उठा पाता। क्या इसे करना आसान है? क्या बस सिर्फ कुछ महसूस कर लेने से अपने अहंकार पर काबू पाया जा सकता है? माफ कीजिए, यह यूं ही नहीं होगा। तब मैं जहन्नुम का वासी हो जाऊंगा, और मेरे कंधे पर सवार प्यारे शैतान को शांत करना असंभव हो जाएगा। मुझे यकीन है कि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस कर रहे होंगे। मगर प्रायश्चित या इस समस्या के हल की दिशा में पहला कदम है, अपनी गलतियों को स्वीकार लेना। मैंने अपनी कमियों को स्वीकार करने का प्रयास किया है। आप भी ऐसा करने की कोशिश करें।

आयुष जैन
सी–326 सूर्य नगर अलवर

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

॥ जय गुरू हस्ती ॥ ॥ श्री महावीराय नमः ॥ ॥ जय गुरू हीरा मान ॥

प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

स्व. श्री शीतल प्रसाद जी जैन

(27.06.2018)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुये सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धांजलि

पुत्र-पुत्रवधु/भतीजा-वधु :
राहुल जैन-ज्योति जैन,
डॉ. रीतेश जैन-आभा जैन,
अमित कुमार जैन-भारती जैन,
कपिल जैन-प्रज्ञा जैन,
अनुभव जैन-शिवानी जैन,
पीयुष जैन-ज्योति जैन

भ्राता-भ्रातावधु :
पदम कुमार जैन-निर्मला जैन,
धर्मचंद जैन-लतेश जैन,
प्रकाश चंद जैन-मंजू जैन

बहन-बहनोई :
तारा देवी जैन-कैलाश चंद जैन,
शारदा जैन-महेश चंद जैन

पुत्री-दामाद :
सुमन जैन-नवीन जैन,
ममता जैन-राहुल जैन

पौत्र-पौत्री :
ऋषिराज, तेजस, युक्ति, गौतम

- प्रतिष्ठान -
पल्लीवाल मेडीकल स्टोर, हिण्डौन सिटी, मो.: 9414364958
धर्म एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, जयपुर, मो.: 9460135422
पल्लीवाल जनरल स्टोर, हिण्डौन सिटी, मो.: 9024320476
स्पेस इंफ्रा प्रोजेक्ट बिल्डिंग निर्माण, जयपुर, मो.: 8209310288

निवास : 'मीरा कुँज', मण्डावरा रोड, हिण्डौनसिटी, जिला करौली (राज.)

भावभीनी श्रृद्धांजलि

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

महासभा सदस्यता

01. **श्री अभय कुमार जैन** पुत्र श्री श्याम लाल जैन, 535, श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, भरतपुर-321001 *(र.सं. 4587)*
02. **श्रीमती रेखा जैन** पत्नी श्री अभय कुमार जैन, 535, श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, भरतपुर-321001 *(र.सं. 4588)*
03. **श्री आयुष जैन** पुत्र श्री अभय कुमार जैन, 535, श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, भरतपुर-321001 *(र.सं. 4589)*
04. **श्रीमती रजनी जैन** पत्नी श्री विवेक जैन, मौरी चार बाग, सिंधी धर्मशाला के पास, भरतपुर *(र.सं. 4590)*
05. **श्री अभिनन्दन जैन** पुत्र श्री विवेक जैन, मौरी चार बाग, सिंधी धर्मशाला के पास, भरतपुर *(र.सं. 4591)*
06. **श्रीमती पुष्पा जैन** पत्नी श्री राजकुमार जैन, बडी पार्टी, ग्राम पोस्ट-बरारा, आगरा-283102 *(र.सं. 4592)*
07. **श्री राजकुमार जैन** पुत्र श्री नवीन चन्द जैन, बडी पार्टी, ग्राम पोस्ट-बरारा, आगरा-283102 *(र.सं. 4593)*
08. **श्री विपिन जैन** पुत्र श्री राजकुमार जैन, बडी पार्टी, ग्राम पोस्ट-बरारा, आगरा-283102 *(र.सं. 4594)*
09. **श्री सुनील जैन** पुत्र श्री शिखर चन्द जैन, 291, नई पानी की टंकी के पास, भरतपुर रोड, अछनेरा, जिला आगरा-283101 *(र.सं. 4595)*
10. **श्रीमती नूतन जैन** पत्नी श्री सुनील जैन, 291, बडी वस्ती, भरतपुर रोड, अछनेरा, जिला आगरा-283101 *(र.सं. 4596)*
11. **श्री विकाश जैन** पुत्र श्री मुन्ना लाल जैन, ग्राम मांगरोल जाट, पोस्ट अछनेरा, तह. किरावली, आगरा-283101 *(र.सं. 4597)*
12. **श्रीमती अनीता जैन** पत्नी श्री विकाश जैन, ग्राम मांगरोल जाट, पोस्ट अछनेरा, तह. किरावली, आगरा-283101 *(र.सं. 4598)*
13. **श्रीमती सुनीता जैन** पत्नी श्री विमल कुमार जैन, 92, नसिया कॉलोनी, जैन मन्दिर के पास, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4574)*
14. **श्रीमती प्रभा जैन** पत्नी श्री अनिल कुमार जैन, व्यापार मण्डल के पास, पुरानी अनाज मण्डी के पीछे, गंगापुर सिटी *(र.सं. 4575)*
15. **श्री तरूण कुमार जैन** पुत्र श्री पारस मल जैन, 168, नसियाँ कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4576)*
16. **श्रीमती अंकिता जैन** पत्नी श्री तरूण कुमार जैन, 168, नसियाँ कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4577)*
17. **श्रीमती अंजु जैन** पत्नी श्री मनोज कुमार जैन, 79, नसियाँ कॉलोनी, न. 3 स्कूल के पास, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4578)*
18. **श्री मनोज कुमार जैन** पुत्र श्री मगन चन्द जैन, 79, नसियाँ कॉलोनी, न. 3 स्कूल के पास, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4579)*
19. **श्रीमती गायत्री जैन** पत्नी श्री अरविन्द कुमार जैन, जैन मन्दिर के सामने, नसियाँ कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4580)*
20. **श्रीमती सविता जैन** पत्नी श्री अशोक कुमार जैन, जैन मन्दिर के सामने, नसियाँ कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4581)*
21. **श्रीमती अनीता जैन** पत्नी श्री दिनेश चन्द जैन, जैन मन्दिर के सामने, नसियाँ कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4582)*
22. **श्री पुष्पेन्द्र कुमार जैन** पुत्र श्री भगवान सहाय जैन, अग्रवाल नगर, ए-8, गुलकंदी स्कूल के पीछे, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4583)*
23. **श्रीमती मनीषा जैन** पत्नी श्री पुष्पेन्द्र कुमार जैन, अग्रवाल नगर, ए-8, गुलकंदी स्कूल के पीछे, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4584)*
24. **श्रीमती सुमन जैन** पत्नी श्री विमल चन्द जैन, 173, नसियाँ कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4585)*
25. **श्री विमल चन्द जैन** पुत्र श्री हुकम चन्द जैन, 173, नसियाँ कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4586)*
26. **श्री नवीन कुमार जैन** पुत्र श्री बैनी प्रसाद जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4551)*
27. **श्रीमती हेमलता जैन** पत्नी श्री नवीन कुमार जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4552)*
28. **श्रीमती बबीता जैन** पत्नी श्री भवेश कुमार जैन, नहर

रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4553)*

29. **श्री भवेश कुमार जैन** पुत्र श्री बैनी प्रसाद जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4554)*
30. **श्रीमती सुनीता जैन** पत्नी श्री विमल कुमार जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4555)*
31. **श्री विमल कुमार जैन** पुत्र श्री बैनी प्रसाद जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4556)*
32. **श्री पवन कुमार जैन** पुत्र श्री विमल चन्द जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4557)*
33. **श्रीमती पायल जैन** पत्नी श्री राजेश कुमार जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4558)*
34. **श्री राजेश कुमार जैन** पुत्र श्री बैनी प्रसाद जैन, नहर रोड, शुक्ला कॉलोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4559)*
35. **श्रीमती विजय देवी जैन** पत्नी श्री पदम चन्द जैन, इंकर मील, नहर रोड, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4560)*
36. **श्रीमती शोभा जैन** पत्नी श्री सौरभ कुमार जैन, इंकर मील, नहर रोड, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4561)*
37. **श्री राकेश कुमार जैन** पुत्र श्री कैलाश चन्द जैन, राजुल भवन, ईदगाह मोड, जयपुर रोड, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर *(र.सं. 4562)*
38. **श्रीमती निशा जैन** पत्नी श्री राकेश कुमार जैन, राजुल भवन, ईदगाह मोड, जयपुर रोड, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर *(र.सं. 4563)*
39. **श्रीमती मंजू जैन** पत्नी श्री महेन्द्र कुमार जैन, द्वारा श्रीमती पुष्पा देवी जैन, आर्य समाज रोड, सूरसागर, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4564)*
40. **श्री महेन्द्र कुमार जैन** पुत्र श्री चन्द्रभान जैन, द्वारा श्रीमती पुष्पा देवी जैन, आर्य समाज रोड, सूरसागर, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4565)*
41. **श्रीमती ममता जैन** पत्नी श्री कृपाल चन्द जैन, शुभ लक्ष्मी मील, श्याम दास बालाजी के सामने, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4566)*
42. **श्रीमती गीता देवी जैन** पत्नी श्री महेश चन्द जैन, बन्दरिया वाले बालाजी के सामने, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4567)*
43. **श्रीमती वर्षारानी जैन** पत्नी श्री पारस चन्द जैन, भारत मील, कटला प्राईवेट बस स्टेण्ड के पास, दुकान न. 76, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4568)*
44. **श्री अरिहन्त जैन** पुत्र श्री देवेन्द्र कुमार जैन, भारत मील, कटला प्राईवेट बस स्टेण्ड के पास, दुकान न. 76, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4569)*
45. **श्रीमती ऊषा देवी जैन** पत्नी श्री ओमप्रकाश जैन, पत्तल दौना गली, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4570)*
46. **श्री ओमप्रकाश जैन** पुत्र श्री मनोहर लाल जैन, पत्तल दौना गली, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर-322201 *(र.सं. 4571)*
47. **श्री रमेश चन्द जैन** पुत्र श्री उम्मेदी लाल जैन, 3/427, हाउसिंग बोर्ड काला कुंआ, अलवर *(र.सं. 4483)*
48. **श्री धीरज जैन** पुत्र श्री रमेश चन्द जैन, 3/427, हाउसिंग बोर्ड काला कुंआ, अलवर *(र.सं. 4484)*
49. **श्रीमती निलिमा जैन** पत्नी श्री धीरज जैन, 3/427, हाउसिंग बोर्ड काला कुंआ, अलवर *(र.सं. 4485)*
50. **श्री नीरज जैन** पुत्र श्री रमेश चन्द जैन, 3/427, हाउसिंग बोर्ड काला कुंआ, अलवर *(र.सं. 4486)*
51. **श्री बाबू लाल जैन** पुत्र स्व. श्री मुकन्दी लाल जैन, 145, इन्द्रा कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4487)*
52. **श्रीमती माया जैन** पत्नी श्री बाबू लाल जैन, 145, इन्द्रा कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4488)*
53. **श्री राजेन्द्र कुमार जैन** पुत्र श्री बाबू लाल जैन, 145, इन्द्रा कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4489)*
54. **श्रीमती रितु जैन** पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जैन, 145, इन्द्रा कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4490)*
55. **श्री संदीप कुमार जैन** पुत्र श्री बाबू लाल जैन, 145, इन्द्रा कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4491)*
56. **श्रीमती विनिता जैन** पत्नी श्री संदीप कुमार जैन, 145, इन्द्रा कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4492)*

विधवा सहायता

★ **श्री नरेन्द्र जैन** (सेवानिवृत प्रधानाचार्य) जैन मन्दिर रोड, आदर्श नगर, हिण्डौन सिटी ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री प्रभुदयाल जी जैन की दिनांक 02.06.2019 को अष्ठम पुण्य तिथि पर विधवा सहायता हेतु 12000/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4572)*

★ **श्रीमती गुणमाला जी जैन** धर्मपत्नी श्री सी.पी. जैन, सिकन्दरा, आगरा ने विधवा सहायता हेतु 12000/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4504)*

★ **श्रीमती किरण देवी जैन** एवं परिवार की ओर से अ.भा.प. जैन महासभा के प्रथम अध्यक्ष स्व. डॉ. किशनचन्द जैन की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु 12000/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4267)*

पत्रिका सदस्यता

2994. Sh. Abhay Kumar Ji Jain S/o Sh. Shyam Lal Jain, 535, Shyama Prasad Mukharji Nagar, Bharatpur-321001, Mob.: 9414023485 *(CR D-2094)*

2995. Sh. Arvind Kumar Ji Jain, Thakar Wala Kua, Mohalla Akhepura, Distt.-Alwar-301001, Mob.: 7568704495 *(CR D-2092)*

2996. Sh. Naveen Chand Ji Jain, VPO Kirawali, Distt. Agra-383122, Mob.: 9412331931 *(CR D-2093)*

2997. Sh. Vishal Jl Jain S/o Sh. Devendra Kumar Jain, A-56 F, Siddharth Nagar, Jagatpura, Jaipur-302017, Mob.: 9414223539 *(CR D-2095)*

हमें यह मानना बंद कर देना चाहिए कि ऐसा कार्य जिसे पहले कभी नहीं किया गया है, उसे किया ही नहीं जा सकता है।

पत्रिका सहायता

★ **श्री सुमेर चन्द जी जैन ''भगत''** निवासी धूलियागंज, आगरा ने अपने सुपौत्र चि. संयम जैन (पुत्र श्री दिनेश चन्द जैन ''भगत'') संग सौ.कां. महिमा जैन का दिनांक 19.1.19 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर पत्रिका सहायता हेतु 500/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–4494)*

★ **श्री धर्मचन्द जी जैन,** शास्त्री नगर, जयपुर ने अपने सुपुत्र चि. शोभित जैन संग सौ.कां. निधि जैन पुत्री श्री राकेश जैन बजाज, आगरा का दिनांक 03 फरवरी 2019 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष में पत्रिका सहायता हेतु 1000/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2063)*

★ **श्री देवेन्द्र कुमार जी जैन** निवासी रूपबास (भरतपुर) ने अपनी सुपुत्री सौ.कां. योगिता जैन संग चि. योजस जैन (शुभम) सुपुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन, सुपौत्र श्री गूजर मल जी जैन (रसीदपुर वाले) निवासी सांगानेर (जयपुर) के दिनांक 12 मई, 2019 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर पत्रिका सहायता हेतु 1100/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2064)*

★ **श्री अशोक कुमार जी जैन,** 69/30, वी.टी. रोड, मानसरोवर (निवासी अलवर) ने अपने सुपुत्र चि. आकाश जैन संग सौ.कां. याशिका जैन सुपुत्री श्री यतीश कुमार जैन, इन्दौर (निवासी मुरैना) के दिनांक 21.05.2019 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर पत्रिका सहायता हेतु 2100/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2090)*

महासभा सहायता

★ **श्री सुमेर चन्द जी जैन ''भगत''** निवासी धूलियागंज, आगरा ने अपने सुपौत्र चि. संयम जैन (पुत्र श्री दिनेश चन्द जैन ''भगत'') संग सौ.कां. महिमा जैन दिनांक 19.1.19 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर महासभा सहायता हेतु 500/– रुपये सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4493)*

★ **श्री प्रकाश चन्द जी जैन** निवासी सी–5ए/154, जनकपुरी, नई दिल्ली ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती आशा जैन का दिनांक 22.4.2019 को निधन हो जाने पर उनकी पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 1100/– प्रदान किये। *(र.सं. 4573)*

वरांगचरित में प्रतिपादित अनेकान्तवाद की वर्तमान में उपयोगिता

****

वरांङ्गनैव सर्वङि चरितार्थवाक्।
कस्यनोत्पादयेद गाढभनुरागं स्वगोचरम।।[1]

अर्थात जिस प्रकार उत्तम स्त्री अपने हस्त, मुख, पाद आदि अंगों के द्वारा अपने विषय में गाढ अनुर उत्पन्न करती है, उसी प्रकार वरांग चरित की अब पूर्ण वाणी भी अपने समस्त छन्द, अलंकार, रीति आदि अंगों से अपने विषय में किसी भी रसिक समालो चदं के हृदय में गाढ़ राग उत्पन्न करती है।

आचार्य जतासिंहनन्दि कृत वरांग चरित एक धर्मकथा होने के साथ–साथ संस्कृत महाकाव्य भी है। परम्परा के अनुसार महाकाव्य में बीस से अधिक सर्ग नहीं होने चाहिए किन्तु इसमें एकतीस सर्ग हैं।[2] बाइसवें तीर्थकर नैमीनाथ तथा श्री कृष्ण चन्द्र के समकालीन वरांग इसके नायक हैं। इनमें धीरोदरत्त नायक के सब गुरू है।

महाकाव्य आवश्यक नगर, ऋतु, उत्सव, क्रीड़ा, राति विप्रलम्भ, विवाह, कुमार–जन्म, तथा वृद्धि, राजसभा मंत्रणा, दूत प्रेषण, अभियान, युद्ध, विजय, राज्य संस्थापन, धार्मिक, धार्मिक आयोजन आदि के वर्णनों से यह व्याप्त है। वरांग की धर्मनिष्ठा, सदाचार, कर्त्तव्यपरायणता, शारीरिक तथा मानसिक विपत्तियों में सहिष्णुता, विवेक, साहस, लौकिक तथा आध्यात्मिक शत्रुओं पर पूर्ण विजय आदि उसे सहज ही उत्कृष्ट धर्मवीर, धीरोदात्त नायक बना देता है।

आचार्य जहासिंहनन्दि की सरस काव्यमयी प्रतिभा के कारण इन्हें अनेक जैन ग्रन्थों यथा आदिपुराण, पद्मचरित, हरिवंशपुराण एवं कुवलद आदि ग्रन्थों में बड़े ही आदर के साथ 'जडिय' जाति एवं जताचार्य के नाम से स्मरण किया गया है।[4] यों वरांग चरित एक ऐतिहासिक, राजनैतिक एवं सामाजिक ग्रन्थ में सरल भाषा में अनेक जैन सिद्धान्तों का उल्लेख किया है। इस लेख का प्रतिपाद्य विषय अनेकान्तवाद की वर्तमान में उपयोगिता है। इस दृष्टि से सर्वप्रथम अनेकान्तवाद को समझना आवश्यक है जिसका वर्णन अग्रप्रकार से है।

अनेकान्तवाद

अनेकान्त जैन दर्शन का हृदय है। समस्त जैनवाद अनेकान्त के आधार पर वर्णित है। उसके बिना जैन दर्शन को समझना दुष्कर है। अनेकान्त दृष्टि एक ऐसी दृष्टि है जो वस्तु तत्व को उसके समग्र स्वरूप के साथ प्रस्तुत करती है।[5] जैन दर्शन के अनुसार वस्तु बहुआयामी है। उसमें परस्पर विरोधी अनेक गुण धर्म हैं। हम अपनी एकान्त दृष्टि से वस्तु का समग्र बोध नहीं कर सकते। वस्तु के समग्र बोध के लिए समग्र दृष्टि अपनाने की जरूरत है। वह अनेकान्त की दृष्टि अपनाने पर ही सम्भव है। अनेकान्त दर्शन बहुत व्यापक है इसके बिना लोक व्यवहार भी नहीं चल सकता। समस्त व्यवहार और विचार इसी अनेकान्त की सुदृढ़ भूमि पर ही टिका है। अतः उसके स्वरूप को जानलेना भी जरूरी है।

''अनेकान्त'' शब्द अनेक और अन्त इन दो शब्दों के सम्मेल से बना है। '' 'अनेक' का अर्थ होता है एक से अधिक, नाना। अन्त का अर्थ है धर्म।'' यद्यपि अन्त का अर्थ विनाश छोर आदि भी होता है पर वह यहाँ अभिप्रेत नहीं है।[6] वरांगचरित के अनुसार[7] वस्तु परस्पर विरोधी अनेक गुणधर्मो का पिंछ है। वह सत् भी है असत् एक भी है अनेक भी, नित्य भी है अनित्य भी। इस प्रकार परस्पर विरोधी अनेक धर्म युगल वस्तु में अन्तर्गर्भित है उसका परिज्ञान हमें एकान्त दृष्टि से नहीं हो सकता, उसके लिए अनेकान्तात्मक दृष्टि चाहिए।

प्रत्येक पदार्थ जहाँ अपने स्वरूप की अपेक्षा सत् है वहीं पर रूप की अपेक्षा वह असत् भी है। यथा छट अपने स्वरूप की अपेक्षा ही सत् है वहीं पर रूप की अपेक्षा असत् है। इसी तरह वह अपने अखण्ड गुण–धर्मो की अपेक्षा एक है तथा अपने रूप, रस आदि अनेक गुणों की अपेक्षा अनेक है। प्रत्येक पदार्थ में प्रति समय ''उत्पाद–व्यय–ध्रौव्यात्मक'' परिणमन होता आ रहा है। प्रति समय परिणमनशील होने के बाद भी उसकी चिर सन्तति सर्वथा अच्छिन्न नहीं होती, इसलिए वह नित्य है तथा उसकी पर्याय प्रति समय बदल रही है। इस अपेक्षा से वह अनित्य भी है। इस प्रकार वस्तु परस्पर विरोधी अनेक गुण–धर्मो का पिण्ड है। इस दृष्टि से हम कहें कि वस्तु बहुमुखी है, बहुआयामी है। उसके एक पक्ष को ग्रहण करके उसका पूर्ण परिचय नहीं पाया जा सकता। हम अपने एकांकी एक कोणिक एक पक्षी दृष्टि से वस्तु के एकांश को ही जान सकते हैं। वस्तु के विराट स्वरूप को बहुमुखी दृष्टि से ही समझा जा सकता तभी उसका समग्र बोध होगा। इस प्रकार अनेकान्त का अर्थ हुआ वस्तु का समग्र बोध कराने वाली दृष्टि।

अनेकान्तवाद की वर्तमान में उपयोगिता

साधारण शब्दों में अनेकान्तवाद से तात्पर्य है कि एक ही समय में एक ही व्यवहार एवं एक ही सम्बन्ध में स्थित रहते हुए

भी अनेकों व्यवहार एवं अनेकों सम्बन्धों में स्थित रहना। वास्तव में अनेकान्त मैं और मेरे पन से ऊपर उठकर 'हमारें' पर बल देता है। सरल शब्दों में कहा जाय तो अनेकान्तवाद एक ऐसी दृष्टि है जो कि व्यक्ति के सोचने समझने के दायरे को बढ़ाता है, नजरिये को बदलता है संकुचित दृष्टि को वृहद बनाता है। स्वार्थ से ऊपर उठकर परमार्थ के लिए प्ररित करता है।

यदि प्रत्येक व्यक्ति जैन धर्म के इस दृष्टिकोण को अपना ले तो आज समाज में घर–घर में जो कलह, तनाव, अलगाव, लडाई–झगड़ा एवं आत्महत्या जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो रही है उनसे वह मुक्ति पा लेगा। आज यदि प्रत्येक सास–ससुर घर में आयी हुई लक्ष्मी अर्थात बहू को केवल बहू ही न समझकर यह भी समझें कि वह उनके बेटे की पत्नी भी है, देवर ननद की भाभी भी है, अपने बच्चों की माँ भी है और अपने माँ–बाप की बेटी भी है एवं अपने बहन भाईयों की बहन भी है और उसी एक समय में उसे अनेकों दायित्व निभाने है। तो आज परिवार में जो सास–बहू के बीच झगड़े से परिवार में जो कलह उत्पन्न होती है वह नहीं होगी।

इसी प्रकार एक पत्नी अपने पति को स्वयं का पति ही न समझकर उसे दफ्तर में काम करने वाला एक कर्मचारी, उसके माता–पिता का बेटा, स्वयं के बच्चों का पिता, उसके भाई–बहनों का भाई भी समझे तो पति–पत्नि के बीच जो तनाव, अलगाव एवं मनमुटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न होती है, उन्हें दूर किया जा सकता है।

अतः स्पष्ट है कि जैन धर्म का अनेकान्त का सिद्धान्त व्यक्ति को संकीर्ण मानसिकता की स्थिति से ऊपर उठाकर उसकी वृहद सोच विकसित करता है जिसकी सहायता से पारिवारिक कलह व तनाव की स्थिति को दूर करके एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

संदर्भ–

1. वरांगचरित भूमिका पृ. 19
2. वरांगचरित भूमिका पृ. 19
3. वरांगचरित भूमिका पृ. 19–21
4. (1) काव्यानुचिनतये.....सनोडवतात॥
(आदि पुराणसर्ग 1–20)
4. (2) जैसलमेर–भण्डार का केटलाग (बड़ौदा सिीज) डॉ. ए.ए. उपाध्ये, पृ. 42
5. जैन धर्म एवं दर्शन – मुनि प्रमाण सागर, पृ. 307–312
6. जैन धर्म एवं दर्शन – मुनि प्रमाण सागर, पृ. 310
7. वरांगचरित सर्ग–30, श्लोक 62
8. जैन धर्म – कैलाश चन्द शास्त्री, पृ. 155

–डॉ. प्रगति सिंघल
जैन अनुशीलन केन्द्र, जयपुर

जन्म पूर्व के संस्कार जैन दर्शन का दृष्टिकोण

जैन दर्शन की मान्यताओं के अनुसार मनुष्य चौरासी लाख निम्न स्तरीय यौनियों में भ्रमण करता हुआ तथा विकासवादी वैज्ञानिक डार्बिन के अनुसार क्षुद्र यौनियों में होते हुए बंदर से मानवीकाया के सुव्यस्थित शरीर के चरम् लक्ष्य तक पहुंचा है। शरीर की संरचना में मस्तिष्क विशेष भूमिका एक अनुकम्पा है जो शरीर धारी अन्य प्राणियों से विशिष्टता बनाये हुए है इसी के आधार पर मानव अपनी चेतना का सदोपयोग कर अपना जीवन जीता है। मानव के पूर्व जन्म के संस्कार चाहे वे वांछनीय या अवांछनीय हो उनके बीजाकुंर शरीर में उपलब्ध रहते है। जन्म लेने पर इन जड़ जमाए बीजांकुर से छुटकारा नहीं पा सकते है। ये पशु प्रवृतियों के बीजांकुर अनुकूल अवसर मिलते ही जन्म पूर्व के संस्कार उभर पड़ते है, इसलिए मानव अवांछनीय प्रवृति करने लगता है। यदि मानव सुधार अनुशासन एवं प्रशिक्षण का विशिष्ट प्रयास न करे तो उसके आचरण और व्यवहार में पशुवत संस्कार प्रतिलक्षित होते दिखाई देते है। जैन दर्शन और जैन जीवन शैली में जीवन जीना इन संस्कारों जड़ से समाप्त करने सुसंयमित प्रयास है, जैन जीवन शैली ''सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय'' की शुभ वाना वाली जीवन शैली है, इसमें आत्मा समस्त संसार के प्रति मित्रता का संकल्प करती है। जैन दर्शन के अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकान्त ऐसे सिद्धान्त है जो सर्वविध उदय करने वाले है, इसमें किसी को हानि पहुंचाने की भावना निहित नहीं है। सर्वकल्याण की भावना और सभी जीवों के साथ मैत्रीभाव से पूर्व संस्कारों का शमन तथा सर्वोदय सम्भव है। जैन दर्शन का आधार चिन्तन 'मैं कौन हूँ, और कहाँ से आया हूँ तथा कहाँ जाऊँगा' सभी एक चेतना जाग्रत कर अवांछनीय संस्कारों से मुक्त कर समय जीवन चरित्र अपनाने की प्रेरणा देता है। मानव मन की ज्ञानज्योति अखण्ड रहे इसके लिए निरन्तर सत्संग और साधना चलती रहनी चाहिए ताकि मोह और द्वेष के झोकों से ज्ञान प्रदीप बुझ न जाए। बिना मार्यादित जीवन के शान्ति प्राप्त नहीं हो सकती तृष्णा की प्यास बडवानल की तरह कभी शान्त नहीं होती इसलिए मानव इच्छाहिन नहीं होता इस कारण ही त्याग भावना उत्पन्न न होकर धन प्राप्ति में प्रयास रहता है। जब तक आत्मा में कुविचार और कुसंस्कारों का बीजाकुरण होता रहेगा मानव मन में शान्ति और तृष्णा की तृप्ति संभव नहीं है उसके लिए अपरिग्रह पालन ही सर्वोत्तम उपाय है।

–सुमति चंद जैन, *(खोह) अलवर*

मां ही मंदिर, मां ही पूजा

****

जो मस्ती आँखों में है मदिरालय में नहीं, अमीरी दिल की कोई महालय में नहीं। शीतलता पाने के लिये कहा भटकता हैं मानव, जो मां की गोद में है वह हिमालय में नहीं।।

मैं अपनी बात की शुरूआत एक प्रसंग से कर रही हूँ। एक राजा के दरबार में दो महिलायें पहुँची। दोनों महिलायें एक अबोध बच्ची पर अपना स्वामित्व जता रही थी। दोनों महिलाओं का कहना था कि बच्चा मेरा है। बड़ी जटिल समस्या थी राजा के सामने। राजा को इंसाफ करना था। राजा ने कुछ सोचा और बोला तुरन्त एक चांडाल को बुलवाया राजा ने चांडाल को आदेश दिया कि इस बच्चे के तलवार से दो टूकड़े कर दो और दोनों महिलाओं को एक–एक टूकड़ा दे दो। चांडाल ने झट से तलवार निकाली और बच्चे के टुकड़े करने के लिये उसे आकाश में लहराई पूरी सभा में सन्नाटा छा गया। राजा के इस इंसाफ के लिये एक महिला तैयार हो गयी और दूसरी चीख पड़ी और बोली में झूठ बोल रही थी यह बच्चा मेरा नहीं है, इसी का है। आप इस बच्चे को इसी को दे दिजिये। यही इसकी माँ है। राजा ने चांडाल को तत्काल रूकने का इशारा किया और कहा कि यह नही बल्कि यह इसकी असली माँ है। क्योंकि जो असली माँ होगी वह कभी नही चाहेगी कि उसकी संतान के दो टुकड़े कर दिये जाये। माँ की ममता अपनी संतान को कभी खंणित होते नहीं देख सकती, ऐसी होती है मां। और ऐसी ही है तुम्हारी मां। मगर तुम कैसे ''निकम्मे'' और ''कृतहनी'' बेटे हो कि जिसने तुम्हे जीवन दिया तुम उसे ही भूल गये पद और पैसा क्या मिल गया कि मां को ही विसरा दिया। बाहर की चकाचौंध और जवानी का ऐसा नशा चढ़ा कि अपनी देवी समान माँ को ही नजर–अंदाज कर दिया। जबकि आज तुम हो कुछ भी हो अपनी माँ की ही बदोलत हो। माँ के तुम पर बहुत उपकार है। दुनिया में और किसी के ऋण से तो मुक्त हुआ जा सकता है, लेकिन माँ के ऋणों से उऋण होना मुमकिन नहीं है। जिस माँ ने तुम्हे शक्ति दी, खड़े होने की ऊर्जा दी है उसे तुम अपनी चमड़ी की जूतियां भी बनवाकर पहना दो तो भी उसके ऋण से मुक्त नही हुआ जा सकता।

आज हमने मां के ऋण से आंख बंद कर ली है और जो मां के ऋण से आंख बंद कर ले वह नपुसंक है, कायर है और कृतध्नी है। धिक्कार है ऐसी निकम्मी संतान के बूढ़े माँ–बाप जब तक जिन्दा रहते हैं तो कभी प्रेम से भोजन पानी के लिये नहीं पूछते जब मर जाते है तो उनके नाम पर पूरे समाज को भोजन कराते है। तुम उनके बेटे हो या किसी जन्म के दुश्मन ? माँ–बाप के मरने पर उनके फूल चढ़ाने के लिये हरिद्वार जाओगे और जब वे जिंदा थे क्या तब तुमने उनके चरणों में श्रद्धा सुमन चढ़ाये ? उनके चरणों में फूल अर्पित किये ? आज माँ–बाप मर गये तो उनके लिये सारे समाज के सामने आंसू बहा रहे हो। लेकिन मैं ऐसे कलयुगी बेटों से पूछती हूँ कि तुमने माँ–बाप के जीते जी उनके आसुंओं की कितनी कद्र की ? अरे, माँ–बाप का महत्व जीवन में क्या होता है यह उनसे जाकर पूछो जिनके माँ–बाप इस दुनिया में नहीं है। कल जब तुम्हारे माँ–बाप भी इस दुनिया में नही रहेंगे तब तुम्हें उनकी कमी नजर आयेगी। और उनका महत्व समझ में आयेगा। फिर तुम उनके लिये आंसू बहाओगें मगर जब तक समय तुम्हारे हाथ से निकल चुका होगा। अभी भी समय है, देवता तुल्य माता–पिता की सेवा सुश्रुवा, उनका आर्शीवाद और उनके अनुभवों का पूरा लाभ उठा लो। आखिर वे अब और कितने साल जियेगें। बुढ़ापे में तुम्ही तो उनकी एकमात्र आशाओं के केन्द्र हो, बुढ़ापे का सहारा हो, हाथ की लाठी हो। तुम उनके सामने किस बात का घमंड करते हो, कि मुझे डेढ़ लाख सैलेरी मिलती है। जहां में जिसका अन्त नही, उसे आसमां कहते है, और संसार में जिसका अंत नहीं उसे माँ कहते है। जिनके जीवन में माँ है वे धन्य है। उनका जीवन पूर्ण है। जिन्हें अपनी माँ का अहसास है, वही श्रवणकुमार की भूमिका अदा कर सकता है। माता–पिता के चरणों की रज दुनियां के किसी गुरू और परमात्मा की चरण रज से भी ज्यादा असरदारी होती है। भगवान की जीती जागती तस्वीर है जिसने मां की पूजा की उसने समझ तो भगवान की पूजा कर ली। माँ जीवन की बह्म है। जिस तरह बह्मा में बह्ममाण्ड और बह्ममाण्ड में बह्म समाये हुये है। उसी तरह माँ में पुत्र और पुत्र में माँ समयी हुयी है। माँ बह्मा भी है माँ विष्णु भी है। माँ महेश भी है। बह्मा जन्म देते है, विष्णु पालन करते है और महेश उद्वार करते है। माँ भी जन्म देती है और बेहतर संस्कार देकर जीवन का उद्वार करती है।

''माँ तूने तीर्थंकरों को जन्मा है। यह संसार तेरे ही दम से बना है, तू पूजा है तू मन्नत मेरी तेरे ही चरणों में जन्नत है मेरी''

माँ के प्रति अपने फर्ज अदा करने है तो पहला कर्त्तव्य यह निभाओं की सुबह उठते ही अपने माता–पिता के चरण अवश्य

छुओ। हमारी आँख खुले तो सबसे पहले माँ के चरणों के दर्शन हो। माँ के चरणों में जाकर अपना माथा टेके। उनके हाथ को अपने माथे पर लगाये। दूसरा फर्ज यह है कि चौबीस घंटों में से एक समय भोजन माता–पिता के साथ बैठकर अवश्य करें। उन्हें जिस चीज की आवश्यकता है उसे लाकर खिलाये तुम्हें कितना आशीष मिलता है। तीसरा सोने से पहले माता–पिता के पास जाकर इतना अवश्य पूछ ले कोई सेवा की जरूरत है? अगर कोई काम हो तो उनका कर दीजिये। शरीर के किसी भाग में दर्द वगैरहा हो तो उन्हें दवा दे उन्हें राहत मिलेगी। तुम्हारे लिये दुआयें ही निकलेगी। चौथा काम यह करे कि सुबह अपनी बुजुर्ग माँ को मन्दिर जी के दर्शन कराने ले जाये। शायद इसी बहाने सही, माँ के थोड़े कर्ज उतारने का अवसर मिल जाये।

हाँ, एक और कर्त्तव्य यह है कि साल में एक बार अपनी घर–गृहस्थी या बिजनिस की छुट्टी लेकर अपने बुजुर्गो को सात दिन के लिये तीर्थयात्रा के लिये जरूर ले जाये। जीवन में एक ऐसा मन्दिर अवश्य बनाना जिसके गर्भगृह में परमात्मा की प्रतिमा हो, और जिसके प्रवेश द्वार पर दो मूर्तिया हो जो सदा याद दिलाती रहे आपको अपने माँ–बाप की।

–भावना जैन
ए–253 आन्के कॉलोनी, भीलवाड़ा

मुझको वहाँ बुलाया था (सुखद एहसास)

हिमगिरि के केदार श्रृंग से, मुझको बुलावा आया था।
मंदाकिनी की धाराओं ने, मुझको वहाँ बुलाया था।

पावन तट पर पहुंच के मैने, तन को स्नान कराया था।
रगड़ रगड़ कर मन से मैंने, मन का मैल हटाया था।

तन, मन निर्मल हो गया, सोच के मन हर्षाया था।
बम बम भोले शिव जी ने, मुझको वहाँ बुलाया था।

पंचामृत अभिषेक किया मैंने, स्वयम्भू ने दर्श दिखाया था।
चरण वन्दना की जब मैंने, उग्र ने स्व स्पर्श कराया था।

मखमली सा अहसास वो, मैंने रोम रोम में पाया था।
देवों के देव महादेव जी ने, मुझको वहाँ बुलाया था।

एक इबादत लिख डाली मैंने, धरती के गौरव हिमालय की।
कदम अचंभित हुए थे मेरे, डगर चले जब शिवालय की।

धन्य हुआ अब जीवन मेरा, अंग अंग मेरा मुस्काया था।
देव भूमि से केदार नाथ का, मुझको बुलावा आया था।

–सुनीता जैन 'सुनीति', *भरतपुर*
राजस्थान महिला प्रतिनिधि
अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा

समय ही जीवन और श्रम ही वैभव है

समय ही जीवन और श्रम ही वैभव हे। कौन कितने दिन जिया, इसका लेखा–जोखा जन्म दिन से लेकर मरणपर्यंत के दिन गिनकर नहीं, वरन इस आधार पर लगाया जाना चाहिए कि किसने अपने समय का उपयोग महत्त्वपूर्ण प्रयोजनों के लिये किया। आद्य शंकराचार्य मात्र बत्तीस वर्ष जिए। विवेकानंद ने छत्तीस वर्ष जितनी स्वल्प आयु पाई। रामतीर्थ तैतीस वर्ष की आयु में ही चले गए। ऐसे–ऐसे अनेकानेक व्यक्ति इस संसार में हुए हैं, जिन्हें लंबी अवधि तक जीने का अवसर नहीं मिला, पर उन्होंने अपने समय का श्रेष्ठतम प्रयोजनों के लिए तत्परतापूर्वक उपयोग किया और उसी के बलबूते इतनी उपलब्धियाँ अर्जित कर सके, जितनी सौ–दो सौ वर्ष जीकर भी नहीं पाई जाती। कितने ही लोग लंबी आयु तक जीते हैं पर उस अवधि का लेखा–जोखा लेने पर प्रतीत होता है कि ये पेट भरने, प्रजनन के जंजाल में उलझे रहने तथा दुर्गुणों के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाले विछोभों से जलते–झुलसते मौत के मुँह में चले गए।

प्रायः आधा समय कुचक्रों की उलझन में और लगभग उतना ही आलस्य–प्रमाद में लगाने वाले को लंबी आयु तक जीने का क्या, संतोष–आनंद मिला। इसे वे उनींदी अवस्था में तो जान नही पाते, किन्तु जब विदाई के दिन आते हैं तो आँखें खुलती हैं और हाथ मलते हुए, रूंधे कंठ और भरी आँखों से इतना ही कह पाते है कि उन्होंने बहुमूल्य अवसर निरर्थक कामों में गँवाया और जिससे काल का त्रास देने वाला अंधकार भरा भविष्य कमाया।

–दयाचन्द जैन
310, कावेरी ग्रीन्स, आगरा

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रैता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुगन चंद जैन
(स्वर्गवास : 3 जून 2000)

स्व. श्रीमती सोमोती देवी जैन
(स्वर्गवास : 3 जनवरी 2015)

हम सभी परिजन आपके उच्च विचारों तथा आदर्शों को जीवन में उतारने के लिए प्रयत्नशील हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
बाबूलाल-लक्ष्मी जैन
श्रीपाल-उर्मिला जैन
(स्व.) महावीर प्रसाद-त्रिशला जैन
शिखर चंद-उषा जैन
किशनचंद-ब्रजबाला जैन

पौत्र-पौत्रवधू :
योगेश-रश्मि
ज्ञानेश-गीता
कमल-अंशु
नितिन-अंशु
अंकुर-कविता
सचिन-शालू

पौत्री-दामाद :
ममता-(स्व.) अनिल जैन
कल्पना-राजेश जैन
मीनू-ललित जैन
पूनम-वर्धमान जैन
सविता-वेद प्रकाश जैन
अनिषा-सागर जैन
कविता-प्रदीप जैन
राखी-अमित जैन
आरती-कपिल जैन
दीपा-नितिन जैन

पुत्री-दामाद :
कमला-हरिशचंद जैन
विमला-नरेशचंद जैन
गुणमाला-जितेन्द्र कुमार जैन
बबली-जिनेश कुमार जैन
अरूणा-अनिल कुमार जैन

पड़पौत्री, पड़पौत्र :
शुभम, संभव, विशुता, तान्या, यश,
प्रत्यक्ष, निश्चय, रचित, रेयांश, दीया, दक्षिता, युग

पड़पौत्री-दामाद :
अक्षिता-मुकुल जैन

प्रतिष्ठान :
जैन पान भंडार, नौगावा, अलवर, फोन : 01468-275238
अरिहंत पैकेजिंग, महावीर एन्कलेव, नई दिल्ली, फोन : 25367174, 25052070
जैन प्रोविजन एण्ड जनरल स्टोर, पालम कॉलोनी, फोन : 65170979
जैन बुटिक, पालम कॉलोनी, फोन : 65170979

निवास : **नौगावा, जिला अलवर (राज.), फोन : 01468-275238**

द्वितीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व.श्री खैराती लाल जी जैन

(9.10.1933 - 12.06.2017)

हम सभी परिवारजन सजल नेत्रों से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं,
आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवाभावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धांजलि

श्रीमती महेश कुमारी जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
अनिल जैन-अनिता जैन
सुनील जैन (MES)-सविता जैन

पौत्र :
ई. अमन जैन, गन्तव्य जैन

पौत्री :
ई. आस्था जैन, सौम्या जैन,
ई. रिया जैन

पुत्री-दामाद :
करूणा जैन-पदम जैन
कुमकुम जैन-नवनीत जैन
शिवानी जैन-ई. राजीव जैन

दोहिती-दामाद :
डॉ. गरिमा-डॉ. अभिषेक जैन
(भोपाल)

निवास :
526, लाजपत नगर, अलवर
मो.: 9461039153, 9460470318, 9414231674

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

जैन समाज में प्रेम विवाह : सही या गलत

****

प्रेम विवाह सुनते ही कुछ अजीब सा ख्याल लोगों के दिल में आने लगता है, जैसे कि कोई नयी दुल्हन गांव मे आयी है। आज कल हमारे समाज में भी प्रेम विवाह का चलन हो गया है। आजकल के पढ़े–लिखे बच्चे अपनी पसंद से शादी करना चाहते हैं, और अपना साथी चुन रहे हैं। परंतु आज भी समाज के कई लोग इसके गलत और सही होने पर बहुत बहस करते रहते हैं।

मैं भी आज अपनी राय आप लोगों तक पहुंचा रहा हुं लेकिन मैं इसके दोनों पक्षों को साथ लेकर चलूंगा।

वास्तव में देखा जाए तो प्रेम विवाह एक तरीके से सही है लेकिन अगर इसे हमें अपने समाज के भीतर ही रखे तो और भी ज्यादा अच्छा होगा। क्योंकि भारत वर्ष में जैन कुल बहुत बड़ा है, और अलग–अलग स्थानों के जैन परिवारों का रहन–सहन भी अलग–अलग है। विवाह उपरांत लोगों को बहुत कुछ सीखने और समझने को मिल सकता है। हमें नए–नए व्यंजन और नई भाषा सीखने और समझने को मिल सकती है।

मैं आजकल की नई पीढ़ी को समझाना चाहता हूं कि एक बार अपने परिवार और समाज का ख्याल करें और प्रेम विवाह करना है तो जैन समाज में ही करें। अपने परिवार के सामने अपना मत पूरे विश्वास के साथ रखें और साथ ही परिवार के सामने रखने से पहले उस व्यक्ति के बारे में सारी जानकारी कर लें। कुछ दिन पहले मिले किसी व्यक्ति के लिए अपने परिवार को छोड़ना गलत है। हां, अगर वह लड़का या लड़की जिससे आप प्रेम करते हैं जैन कुल का है तो भी उसके बारे में सारी जानकारी लें और अपने परिवार के सामने बोल दें साथ ही अपने परिवार से इस विषय में राय लें और कहें कि आप पता करें कि वह मेरे लिए ठीक है या नहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि आप सभी प्रेम विवाह करें क्योंकि माँ–बाप जो भी जीवनसाथी आपके लिए चुनेंगे वो पक्का सही होगा लेकिन आप किसी ऐसे जैन को जानते हैं जो आपके लिए बिल्कुल सही है तो अपने माता–पिता से उसके लिए अवश्य चर्चा करें।

मेरी एक बात पर ध्यान जरूर दें कि आप कभी किसी अन्य जाति के व्यक्ति के साथ प्रेम विवाह की बात ना करें, क्योंकि इस प्रकार के प्रेम विवाह को मैं भी सही नहीं मानता हूं। इससे हमारे समाज और कुल दोनों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। हमारे समाज के बच्चों तथा हमारे घर के बच्चों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

सोचिए अगर आप किसी और समाज के व्यक्ति से विवाह करेंगे तो इस प्रकार हमारे बच्चे किस धर्म को अपना सकते हैं। हमारा जैन समाज या जैन कुल एक दिन विलुप्त हो जाएगा, हमें जिस जैन कुल में ही जन्म लेकर गर्व करना चाहिए, हम उसके विपरित दूसरे धर्म को अपना लेंगे ऐसे ही हमारे बच्चे करेंगे।

अगर प्रेम विवाह किसी अन्य जाति से किया तो बाद में होने वाली किसी भी परेशानी के लिए अपने परिवार का साथ भी तो नहीं ले सकते हैं। इसलिए जैन कुल में ही विवाह करे वो चाहे प्रेम विवाह ही क्यों ना हो।

जहाँ तक मैंने सुना है, प्रेम विवाह करना हमारे समाज के बुजुर्गो के अनुसार गलत है, और मैं उनकी इस बात से सहमत हूं परंतु ये सिर्फ़ वहीं तक गलत है जब आप किसी और समाज में प्रेम विवाह कर रहे हैं। अगर कोई व्यक्ति अपने ही समाज में प्रेम विवाह करता है तो मेरे अनुसार वो गलत नहीं है। मेरी उस लड़के या लड़की के माता पिता के लिए राय होगी कि वे अपने बच्चों द्वारा पसंद किए जीवन साथी के व्यवहार, घर, परिवार के बारे में पूरी जानकारी ले फिर अपने बच्चों का विवाह समाज के रीति–रिवाजों के अनुसार कर दें। क्योंकि इससे हमारी चिंता भी दूर होती हैं साथ ही मेहनत, समय और धन की बचत होगी। हमारे बच्चे भी अपने जीवन में सुखी होंगे। मैं ये नहीं बोल रहा कि अरैंज मैरिज गलत होती है पर कभी–कभी हमारा निर्णय भी गलत हो सकता है। अभी कुछ दिन पूर्व की बात है मेरे एक मित्र ने अपनी पुत्री का विवाह किया परंतु उस लड़की का पति किसी और के साथ प्रेम करता था। उस लड़के ने भी परिवार की वजह से विवाह कर लिया। लेकिन विवाह के पश्चात वो लड़की को अपना ना सका। उसने लड़की से शादी की पर उसके बाद से दोनों मे झगड़े होने लग गए और लड़के ने पीछा छुड़ाना चाहा। लड़के ने अपनी पत्नी का एक वीडियो सोशल नेटवर्किंग पर डाल दिया और फिर लड़की के घर वालों ने ही उसका और लड़की का रिश्ता तोड़ दिया साथ ही विडियो भी डिलीट करा दिया। इस एक गलती से लड़की और उसके माता पिता को बहुत परेशानी हुई और साथ ही उस लड़की के जीवन पर प्रभाव पड़ा।

इसलिए आप सभी से निवेदन है कि अपने बच्चों के साथ अन्याय ना करें ना होने दें।

अगर वह लड़की किसी जैन लड़के से प्रेम विवाह करती तो शायद उसके साथ ऐसा ना होता, और साथ ही वो लड़का आज इतना नीच करम नहीं करता।

जहाँ आज दो घरों के साथ 3 जिंदगीयां खराब हुई हैं, वही आज चार घरों के साथ बहुत सी जिंदगीया खुशी खुशी जीवन यापन कर रही होती।

अंत में मैं आप सभी से इतना ही कहूँगा कि परिवार हमारा है और जैन समाज भी हमारा है। जिस तरह अपने परिवार की रक्षा करते हैं उसी तरह अपने समाज की भी करें और साथ ही प्रेम विवाह समाज के भीतर ही करें। समाज बहुत बड़ा है और आशा है हम इसे आगे तक ले जा सकते हैं।

समाज के बच्चों से निवेदन है कि जैन कुल में अपना जीवन साथी चुनें तथा बड़े बुजुर्ग लोग अपने बच्चों के विवाह मे संपूर्ण जांच परख कर लें। अगर मेरा ये लेख पसंद आए तो जैन समाज के भीतर ही लड़के लड़की को प्रेम विवाह करने दे साथ ही उन्हें जीवन में आने वाली परेशानीयों के बारे में बताए।

अगर किसी को मेरी कोई बा बुरी लगी हो तो दोनों हाथ जोड़ कर क्षमा। जय जिनेन्द्र

–कार्तिक जैन (The_Jain)
नौगांवा, अलवर

बधाई

श्री प्रवर जैन प्रपौत्र श्री अमीर चन्द जैन (सेनि. आर.ए.एस.), पुत्र श्रीमती सीमा जैन व श्री पवन कुमार जैन (प्रधानाचार्य), निवासी नहर रोड, गंगापुर सिटी (सवाईमाधोपुर) BIT Jaipur Campus Students participated and won the NEI IDEA FACTORY CONTEST-2019. Contest organised by National Engineering Industries Ltd. Jaipur on 18.4.2019 and got cash prize amount of Rs. 1,00,000/-.

श्री जयन्त जैन सुपुत्र डॉ. श्रीमती सरिता जैन एवं श्री बिबुधेश कुमार जैन, सुपौत्र श्री कपूर चन्द जैन, ने आई.आई.टी. गौहाटी से 2017 में ग्रेजुएशन करके हैदराबाद में डी.शा. एण्ड कम्पनी में 23 लाख रुपये वार्षिक पारिश्रमिक तथा 3 लाख रुपये वार्षिक बोनस कुल 26 लाख रुपये वार्षिक की नौकरी छोड़कर वर्तमान सत्र में भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आई.आई.एम.) अहमदाबाद में दो वर्षीय एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है।

श्री राकेश जैन पुत्र स्व. श्री बाबूलाल जैन (मुरैना वाले) हाल निवासी 1–एफ–15, सत्कार शॉपिंग सेन्टर के पास, मालवीय नगर, जयपुर का जन स्वास्थ्य अभियांन्त्रिकी विभाग, परियोजना क्षेत्र बाडमेर (राज.) में अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता के पद पर पदोन्नत हुए हैं।

अ.भा.प. जैन महासभा आप तीनों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

जीवन का रहस्य - निःस्वार्थ सेवा

जीवन को जीने का जिसके पास सही दृष्टिकोण है वह जीवन के रहस्य को समझ जाता है। जिस किसी के पास भी गंभीर पर्यवेक्षण करने की दृष्टि हो, वह इन गहराईयों तक पहुंच सकता है व जीवन की सूक्ष्मता को समझ सकता है। इस दृष्टि के सहारे वह जीवन से जुड़ी भ्रांतियों के कुहासे को भी मिटा सकता है और कई प्रकार के लोभ, मोह व आसक्तिजन्य खतरों से बच सकता है। इस खतरों को जो भाँप जाता है और उनसे बच निकलने की राह खोज लेता है, वही जीवन को कलाकार की तरह जी सकता है। कर्त्तव्य के रूप में जीवन अत्यन्त भारी प्रतीत हो सकता है, परन्तु दूसरी ओर जीवन को एक रंगमंच की भाँति भी लिया जा सकता है जहाँ एक अभिनेता की तरह हँसते–हँसते हुए उसका विनोदपूर्ण मंचन कर आनन्द लिया जा सकता है। जीवन एक गीत है, जिसे मधुर स्वर में गाया जा सकता है। जीवन एक अवसर, जिसे गंवा देने पर सब कुछ हाथ से निकल जाता है। जीवन एक स्वप्न है, जिसमें स्वयं को खोजा जा सके तो जीवन में भरपूर आनंद का रसास्वादन किया जा सकता है। जीवन एक प्रतिज्ञा है, जिसे पूरा करके उसी के आधार पर जीवन की दिशा को मोड़ा जा सकता है। जीवन एक यात्रा है और जो इसे यात्रा मान लेता है, वह किसी भी आकर्षक पड़ाव पर ठहरता नहीं है, केवल अपनी मंजिल की ओर बढ़ता चला जाता है। जीवन जीने की एक कला है और इसे कलाकार की तरह जिया जा सकता है। जीवन को सफल कैसे बनाया जाए यदि इसका मर्म जान लिया जाए और इस दिशा में मनन कर लिया जाए तो फिर उससे बड़ा सौभाग्य कुछ और नहीं हो सकता। जीवन सौंदर्य है, प्रेम है, सत्–चित्–आनंद है। जीवन सब कुछ है, जो नियंता की इस सृष्टि में सर्वोत्तम कहा जाने योग्य है। हम उसे सही से जीकर तो दिखाएँ।

सुगंध के बिना पुष्प, तृप्ति के बिना प्राप्ति।
ध्येय के बिना कर्म व प्रसन्नता के बिना जीवन व्यर्थ है।

शोक संवेदना

श्रीमती आशा जी जैन धर्मपत्नी श्री प्रकाश चन्द जैन निवासी सी–5ए/154, जनकपुरी, नई दिल्ली का 76 वर्ष की आयु में दिनांक 22.5.2019 को आकस्मिक निधन हो गया। श्रीमती आशा जी धार्मिक एवं मिलनसार महिला थीं।

श्री शिखर चन्द जी जैन (भूतपूर्व सरपंच) निवासी खोह (अलवर) का देहावसान दिनांक 8.6.2019 को हो गया है। आप धार्मिक, मिलनसार एवं समाज के कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।

श्री जगन्नाथ प्रसाद जी जैन (शेखपुरा वाले) जैन कॉलोनी, हिण्डौन सिटी का देहावसान दिनांक 22.05.19 को हो गया है। आप मिलनसार, समाजसेवी व धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

श्रीमती नीलम जी जैन धर्मपत्नी श्री अशोक कुमार जैन (तिलक नगर, दिल्ली) का दिनांक 29 मई 2019 को स्वर्गवास हो गया है। आप धार्मिक एवं मिलनसार महिला थीं।

श्री रतन लाल जी जैन (खोह वाले) वार्ड नंबर 14, हेड पोस्ट ऑफिस वाली गली, खेरलीगंज का देहावसान दिनांक 5.6.2019 को हो गया है। आप बहुत ही मिलनसार सरल स्वभावी धार्मिक व समाजिक कार्यों में अग्रणी रहते थे।

अ.भा.प. जैन महासभा अपनी संवेदना प्रकट करते हुए भगवान महावीर से प्रार्थना करती है कि उपरोक्त सभी दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

कर्मठ समाज सेवी श्री बंगाली मल जी जैन नहीं रहे।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के भूतपूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बंगाली मल जी जैन का 21 मई 2019 को आगरा में हृदयगति रूकने से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनकर समाज बन्धु हतप्रद रह गये, 18 मई को तो आप अपनी फैक्टरी के मुहुर्त में अतिथियों का अभिनन्दन कर रहे थे व 20 मई को आप जैन मन्दिर जयपुर हाऊस के पच्चीसवें स्थापना दिवस में शामिल थे। समाज के लोगों ने उनका सम्मान भी किया।

आप का जन्म आगरा में ही दिनांक 3 अप्रैल 1943 को लाला विशम्भरनाथ जी के परिवार में हुआ। बचपन से आप मेधावी थे। आपने आर.बी.एस. कॉलेज से ग्रेजुएशन किया, पढ़ाई पूरी करने के बाद आप अपने पिताजी के साथ व्यवसायिक गतिविधियों में शामिल हो गये। अपनी अथक मेहनत व परिश्रम से एक फैक्टरी आगरा में लगाई व एक फैक्टरी धौलपुर में अभी हाल में ही शुरू की। बचपन से आप अत्यन्त धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे। बचपन से ही आपका रात्रि भोजन का त्याग था, आप का नित्य प्रतिदिन मन्दिर जी में देव दर्शन का नियम था। आप का विवाह जिला अलवर के ग्राम दातियां के सेठ चन्द्रभान जी की सुपुत्री श्रीमती शकुन्तला जैन के साथ सम्पन्न हुआ। आपने परिवार में चार पुत्रियों (सभी विवाहित) व एक पुत्र रविन्द्र जैन के रूप में भरा–पूरा परिवार छोड़ा है। समाजिक कार्यों में आपकी गहन रूची थी, आप पल्लीवाल महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर भी आसीन रहे। आपने आगरा दिगम्बर जैन परिषद में अनेक वर्ष कार्य किया। जयपुर हाऊस मन्दिर जी के निर्माण में आप परम सहयोगकर्ता रहे आप 8 वर्ष तक मंत्री व 16 वर्ष तक मन्दिर कमेटी में अध्यक्ष पद पर रहे इसके अलावा आप समाज की कई कमेटियों के पदों पर रहे। आपके ज्येष्ठ भ्राता स्व. श्री कपूरचन्द जैन अ.भा.प. जैन महासभा के अध्यक्ष के कार्यकाल में आपने महासभा के कार्यों में उनका भरपूर सहयोग किया आप अत्यन्त मृदुल, दूरदर्शी व सभी को साथ लेकर चलने वालो में से थे। सन 2006 में आपको सिकन्दरा आगरा के पंच कल्याण महोत्सव में भगवान आदिनाथ के पिता राजा नाभिराय बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आप बेहद दयालु प्रवृति के थे। आप लोगों की मदद करने में हमेशा आगे बढ़कर कार्य करते थे। आपने समाज की बेहतरी के लिए आजीवन कार्य किया।

अ.भा.प. जैन महासभा समाज सेवी विभूति को श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

धर्म को समझने की जरूरत है

आज धर्म के नाम पर क्या कुछ नही हो रहा। वह धर्म ही कैसा जो आपस में प्रेम करना ना सिखा सके। यदि एक इंसान का दूसरे इंसान से नाता नही तो दुनिया में कुछ भी नही हैं। धर्म की पारंपरिक रूढ़िवादी परिभाषा को मैं नहीं जानती मेरा मानना है ईश्वर तो सब जगह है, सबके अन्दर है, जहां नजर उठाओ उसका वास है।

मेरा धर्म यह कहता है कि जीवन में जहां भी जो कुछ भी सुदंर है, उसी में ईश्वर के दर्शन कर जो, ईश्वर किसी मन्दिर, मस्जिद, गुरूद्वारे या कर्मकाण्ड से जुड़ा नही है। धर्म तो मन से जुड़ी चीज है। यह आपकी आस्था और विश्वास का मामला है। वास्तव में धर्म एक अलग चीज है। हर किसी के भीतर एक तत्व छिपा होता है जब भी हम कुछ बुरा करते है या ऐसा कुछ करते है जिससे किसी का बुरा होता है तो हमारे भीतर का वह तत्व हमें बताता है। व्यक्ति अपने भीतर की आवाज को सुन लेता है। और वह अपने कदम पीछे कर लेता है। सभी धर्मो का का लक्ष्य इंसान को बेहतर बनाना है। आपस में प्रेम और सौहार्द्र से रहना सिखना है। ज्ञान का असली मतलब भीतर की आँखों का खुल जाना है। भीतर से दृष्टिकोण साफ सुथरा और जाग्रत हो तो अर्जित ज्ञान आचरण में उतर जाता है। हम ईश्वर को वहां खोजते है जहां वह ही नही। हम मंदिर को अंतिम स्थान मान लेते है। ईश्वर वहां नही है वह हमारे अंदर है, हम बाहर ढूढ़ रहे है। पहले भीतर की आंख खोलो, तभी सही नजर आयेगा व महसूस होगा। मन्दिर माफी मांगने या भगवान को मनाने की जगह नहीं है। मन्दिर तो खुद को, अपने मन को मनाने, मन को मरोड़ने की जगह है। मन भटकता है, बदला लेने को बैचेन रहता है। अतः हमें मन को उन कामों को न करने के लिये मनाना है जिससे किसी को भी किसी भी तरह का कष्ट होता है। मन्दिर तो वो जगह है जहां उनकी मूर्ति विराजमान है जो हमारे अराध्य है, हमारे आदर्श है जिन्होंने सही राह दिखायी उस रास्ते पर जो उन्होंने बताया है, स्वंय चलकर दिखाया है, जो रास्ता सच्चा है, सही है।

माफी मांगने के लिये प्रतिक्रमण के माध्यम से शाम का समय निर्धारित है। दिन भर में किये हुये कार्य की स्वयं समीक्षा कर उन सभी से हृदय से माफी मांगना जिनके प्रति हमसे अपराध हुआ है। ताकि हमारा मन शुद्ध हो और हम जिससे माफी मांगे उनके मन में हमारे प्रति कोई दुर्भावना न रहे। भगवान को मनाने की जरूरत नहीं, न ही उनसे माफी मांगने की जरूरत है। न तो वो मानते है न ही माफकरते है क्योंकि न तो वो रागी है न दोषी है, न कर्ता है, न धरता है, न दाता है, न दानी है, वे तो निर्दोष है, निश्चल है, निराकार है, निर्लोभी है, वे तो बस सच्चे है। भगवान को मनाने की जगह उनके द्वारा तय किये गये मापदंडो को मानने की जरूरत है। पूजा, अर्चना, प्रार्थना ईश्वर को बदलने के लिये नहीं खुद को बदलने के लिये होती है।

धर्म आग्रह की, दिखावे की भी नही आचरण की विषय वस्तु है। धर्म जैसा समझ आ जाये वैसा ही बहुत अच्छा है लेकिन अधिकतर लोग जैसा धर्म को समझते है वैसा है नहीं। धर्म सभी को वैसा समझ में नही आता जैसा वह है। वैसा समझ में आता है जैसा हम समझना चाहते है।

धर्म मानने में श्रद्धा, अश्रद्धा ही विवके चाहिये। विवके का अर्थ है जानकर, समझकर, मान लेना धर्म चेतना का विज्ञान है। ज्ञान उसका आधार है, श्रद्धा आधार नही वो तो शिखर बिन्दु है। जैसे शिखर पर पहुँचकर यात्रा रूक जाती है। पानी जहां रूक जाता है गन्दा हो जाता है। पानी हो या ज्ञान रूकना नही चाहिये, बहते रहना चाहिये बढ़ते रहना चाहिये।

धर्म जीवन का अंतिम चरण नही। 'मंगलाचरण' होना चाहिये।

धर्म भी जरूरी है और विज्ञान भी गलत उपयोग न हो तो दोनो मानव हितकारी है। धर्म वाद–विवाद की नही संवाद की बात करता है।

–श्रीमती सन्तोष जैन
102/117, 'जय पारस', मानसरोवर, जयपुर

शाखा कोटा

कोटा शाखा की कार्यकारिणी के चुनाव दि. 2.6.2019 को श्री आनन्द कुमार जी जैन निर्वाचन अधिकारी एवं श्री बसंत कुमार जी जैन स. निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में निर्विरोध सम्पन्न हुए जिसमें निम्नलिखित को निर्वाचित किया गया है :–

अध्यक्ष– श्री प्रवीण चन्द जैन, ***उपाध्यक्ष–*** श्री सुभाष चन्द जैन, ***मंत्री–*** श्री पदम चन्द जैन, ***सहमंत्री–*** श्री प्रमोद कुमार जैन, ***कोषाध्यक्ष–*** श्री राजेन्द्र कुमार जैन, ***भंडारी–*** श्री उमेश जैन, ***क्षेत्रीय प्रतिनिधि/सदस्य कार्यकारिणी–*** श्री विनय कुमार जैन, श्री प्रदीप कुमार जैन, श्री सुरेन्द्र प्रकाश जैन, श्री योगेश कुमार जैन, श्री अशोक कुमार जैन, श्री शैलेन्द्र कुमार जैन, श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, श्री विजय कुमार जैन, श्री राकेश कुमार जैन (निवर्तमान अध्यक्ष), श्री अनिल कुमार जैन (निवर्तमान मंत्री), श्री महेन्द्र कुमार जैन (केन्द्रीय प्रतिनिधि)।

****

महिला मंडल शाखा भरतपुर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महिला मंडल शाखा भरतपुर के द्वारा दिनाँक 30.5.19 से 2.6.19 तक महावीर भवन, बासन गेट भरतपुर में बाल संस्कार शिविर लगाया गया। जिसमें अध्यापन कार्य श्रीमती निशा जैन, श्रीमती गीता जैन, श्रीमती पुष्पा जैन, श्रीमती ऊषा जैन, श्रीमती रूचि जैन द्वारा कराया गया।

महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता जैन ने बताया कि शिविर में 5 वर्ष से 18 वर्ष तक के 45 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने 24 तीर्थंकरों के नाम, गुरु वन्दन, चैत्यवन्दन, सामायिक, प्रतिक्रमण तथा अनेक जीवनोपयोगी धार्मिक सूत्र एवं सामजिक संस्कार सीखे।

अंतिम दिवस 2.6.19 को सीखे हुए ज्ञान की परीक्षा भी ली गयी। समस्त शिविरार्थियों का सम्मान किया गया एवं प्रभावना बांटी गयी।

****

ग्रामीण अंचल आगरा

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन में दि. 2.6.2019 को श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान का जन्म, तप, मोक्ष कल्याणक बड़ी धूमधाम से मनाया गया। श्रुत पंचमी शुक्रवार दि. 7.6.19 को श्रुत पंचमी महाराधना भी पूजा–अर्चना के साथ की गई, जिसमें श्री स्वरूप चन्द जैन, श्री पुष्पेन्द्र जैन, श्री देवेश जैन, श्री आदेश जैन, दिशु जैन, सौरभ जैन इत्यादि, महिलाओं में श्रीमती कृष्णा जैन, श्रीमती गुड्डी जैन, श्रीमती सुमनलता जैन, श्रीमती पिंकी जैन, श्रीमती कामिनी जैन, कु. दीपा जैन, कु. मीनू जैन इत्यादि सभी ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। श्री स्वरूप चन्द जैन ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

****

रुनकता, आगरा

1008 श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर रुनकता की वेदी प्रतिष्ठा व जिनबिम्ब स्थापना के 6 साल पूर्ण होने के उपलक्ष में दिनांक 20.05.2019 दिन सोमवार को श्री नेमिनाथ महामंडल विधान श्री सौरभ कुमार जैन शास्त्री जी के सानिध्य में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपूर्ण हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आगरा एवं ग्रामीण अंचल के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। विधान के उपरांत शीतल पेय तथा स्वरुचि भोज की भी व्यवस्था की गई थी।

****

शाखा मुरैना

महिला मंडल शाखा मुरैना द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री पदमचन्द जी जैन

(स्वर्गवास : 8 मई 2019)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती सुशीला देवी जैन (धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
अरविन्द कुमार जैन-रीता जैन
श्रीमती पूजा जैन
सुधीर कुमार जैन-सीमा जैन

पुत्री-दामाद :
बबीता जैन-ओम प्रकाश जैन

नवासे :
मनीष जैन, शुभम जैन्

पौत्र-पौत्रवधु :
तुषार जैन-नेहा जैन

पौत्र : अनुराग जैन, अतिशय जैन, शुभम जैन, अंशुल जैन
पौत्री : ज्योति जैन, रितिका जैन
पड़पौत्र : नव जैन

प्रतिष्ठान : **महावीर ऑटोमोबाईल, अग्रसेन सर्किल, अलवर**
निवास : **गायत्री मन्दिर रोड, सूर्यबास, अलवर**

द्वितीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रृद्धांजलि

स्व. श्री लोकेश जैन
(स्वर्गवास 13 जून 2017)
सुपुत्र स्व. श्री केवल चन्द जैन

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं तथा आपके बताये सिद्धान्त व आदर्शों पर चलने का संकल्प करते हैं।

श्रृद्धावनत

श्रीमती ललिता देवी जैन *(माताजी)*
श्रीमती नीरा जैन *(धर्मपत्नी)*

पुत्र :
यश जैन, अभिमन्यु जैन

पौत्र :
अग्रज जैन

भाई-भाभी :
श्रीमती रीता जैन
(धर्मपत्नी स्व. श्री विमल कुमार जैन)
अनिल कुमार-रजनी जैन
पुष्पेन्द्र कुमार-कविता जैन
अनूप कुमार-सुधा जैन
अतुल कुमार-सुमन जैन

भतीजा-भतीजा बहु :
आदित्य-नीरज जैन

भतीजे :
अभिनव, अनमोल,
पलाश, आनंद, अक्षत

प्रतिष्ठान : ★ **मेघराज केवलचन्द जैन,** बीनागंज, जिला गुना (मध्य प्रदेश)

निवास: **सी-513, जलवायु टावर, सेक्टर 56, गुड़गावां (हरियाणा)**

परम पूज्य पिताजी व माताजी की
पुण्य स्मृति में

स्व. श्री किशन लाल जी जैन

स्व. श्रीमती प्रेमवती जैन

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
रमेश चन्द जैन
निर्मल कुमार जैन-अन्जू जैन

पौत्र-पौत्रवधू :
सुनील कुमार जैन-कविता जैन
संजय कुमार जैन-बबीता जैन
कपिल जैन-प्रीति जैन
दीपक जैन-रीमा जैन
निशान्त जैन-ईशा जैन

पुत्री-दामाद :
सुशीला देवी जैन
सुमनलता जैन
पुष्पा जैन-सुभाष चन्द पालीवाल

प्रपौत्र-प्रपौत्र वधु :
रचित जैन-निशिका जैन,
ऋषभ जैन-चारू जैन

प्रपौत्र :
सिद्धेश जैन, यश जैन,
रिदिम जैन

प्रपौत्री :
रूची जैन

निवास :
21/165, दिल्ली वालों का मकान, धूलियागंज, आगरा
मोबाईल : 9319053527

(CR D-2088)

आठवीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री भगवान सहाय जी जैन

(28 नवम्बर 1930 - 20 जुलाई 2011)

आपने, अपने अथक परिश्रम, त्याग, प्रेम एवं धर्मनिष्ठा से जो
उच्च आदर्श स्थापित किये हैं, हम उन्हें स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती कमला देवी जैन (पत्नी)

निवासी : दतिया (अलवर)

पुत्र-पुत्रवधु :

हेमराज जैन
204, 4th फ्लोर, माँ हिंगलाज नगर-बी
गाँधी पथ (पश्चिम), जयपुर

सुरेश चन्द जैन-कुमुद जैन
ए-150, वैशाली नगर, जयपुर

दिनेश चन्द जैन-सुनीता जैन
6 एल 3, महावीर नगर विस्तार, कोटा

मुकेश कुमार जैन-प्रभा जैन
50-ख, श्रीराम नगर विस्तार,
खिरनी फाटक, झोटवाड़ा, जयपुर

पुत्री-दामाद :

निर्मला जैन, *जयपुर*
अनीता-सतीश चन्द जैन, *जयपुर*
बीना-पवन कुमार जैन, *भरतपुर*
मेनका-अशोक कुमार जैन, *गंगापुरसिटी*
शिवकुमारी (डोली)-मनोज जैन, *कोटा*

दोहिते-दोहिती :

अमित, इंजि. रजत, इंजि. प्रबल,
हर्षित, योगेश, भव्य, अन्नू, पल्लवी

पौत्र-पौत्रवधु :

अशोक कुमार जैन-बबिता (कुमकुम)

पौत्री-पौत्री दामाद :

इंजि. रुचि-इंजि. रजत

पौत्र-पौत्री :

नीरज जैन (*फार्मासिस्ट*), इंजि. रजत, इंजि. शुभम,
वर्धमान, खुशबू, अशीमा (*एडवोकेट*), निमिषा

मोबाईल : 9694032002, 9460309214, 9660785855, 9785018193, 0141-2354213 (निवास)

Shubham Jain
9173803117

NAKODA FABRICS

Knitted Fabrics Dealer

42/43, Opp. Shiv Sagar Appartment, B/h. Arya Samaj Building, Saijpur Bogha, Ahmedabad-382345

Rajendra Jain
9924222840, 8866753872

NAKODA SALES

Mfg. of : Under Garments

42, Vikas Estate, Anil Starch Mill Road, Bapunagar, Ahmedabad-380024

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **मेघा जैन** पुत्री श्री महेश चन्द जैन, जन्मतिथि 23.09.1995, गोरा रंग, कद : 5'–1'', शिक्षा : एम.कॉम., कम्प्यूटर एण्ड एकाउन्ट्स कोर्स, गोत्र : स्वयं– सांगरवासिया, मामा– खैर, सम्पर्क : ग्राम पोस्ट नौगावां, तहसील रामगढ़, जिला अलवर, मो.: 9828745429, 8448179560 *(अप्रेल)*

★ **करीश्मा जैन** पुत्री श्री हेमराज जैन, जन्मतिथि 09.07.1994, रंग गोरा, कद 5 फीट, शिक्षा बी.ए., एम.ए. अध्ययनरत, सम्पर्क : महावीर प्रसाद हेमराज जैन, दिल्ली, मो.: 9818560038, 9873197440 *(जून)*

★ **नेहा जैन** पुत्री श्री मनोज कुमार जैन, जन्मतिथि 24.05.1994 (प्रातः 6:55), रंग गोरा, कद 5 फीट, शिक्षा बी.टैक (कम्प्यूटर), सोफ्टवेयर इंजिनियर, मुम्बई, पैकेज 8 लाख वार्षिक, गौत्र : स्वयं– चौरबम्बार, मामा– अठवासिया, सम्पर्क : 7073068483, 9414906441 *(जून)*

★ **Shefali Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 11.08.1994 (at 10:20 pm, Agra), Height 5'-6", Fair Colour, Education- B.Tech (CS), Job- Software Engineer, Agra, Gotra : Self- Barbasia, Mama- Gwalariya, Contact : Plot No. 6, Bhahwati Vihar, Bodla, Agra, Mob.: 9897454782, 9259222342 *(April)*

★ **Seema Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 06.03.1990 (at Jaipur), Height 5'-2", Education- MCA, Gotra : Self- Belanvasiya, Mama- Bhartariya, Contact : B-34, Karamchari Colony, Alwar, Mob.: 7891002125, 9461774268, Email : jain2218@gmail.com *(April)*

★ **Megha Jain** (Manglik) D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 23.07.1993 (at 10:20 am, Alwar), Fair Complexion, Education- B.Com., Pursuing CA Final, Gotra : Self- Athwarsia, Mama- Ambia, Contact : FN 001, Galaxy Appartment, New Friends Colony, Jaipur Road, Alwar, Mob.: 9413025049, 7014958699 *(April)*

★ **Khyati Jain** (Manglik) D/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 10.02.1994 (at 07:05 am, Agra), Fair Complexion, Height- 5'-1", Education- B.Sc., PG Diploma in Uban Planning and Management, BTC, UP TET, Singer at Jinvani Channel, Gotra : Chorbambar, Contact : 32D/12A, New Abadi, Rashmi Nagar, Mughal Road, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 94116845669, 8279988481 *(April)*

★ **Ankita Jain** D/o Sh. Bhojraj Jain, DoB 04.05.1990, Height- 5'-2", Education- M.A., Computer Course (RSCIT), MBA (Finance), DCA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Chorbambar, Contact : 39-B, Ganesh Nagar, Behind Mayo College, Ajmer, Mob.: 9214594389, 9929604262 *(April)*

★ **Shruti Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 17.04.1994 (at 06:15 am, Agra), Height- 4'-8", Education- M.A., Gotra : Self- Ved Bhagoriya, Mama- Maleshwari, Contact : Surya Lok Colony, Mau Road, Agra, Mob.: 9368429274, 7520244499 (Whats App), Email : yatish.jain1008@gmail.com *(May)*

★ **Mradula Jain** D/O Sh. S.K. Jain, DoB 24.01.1989, Height- 5'-5", Fair Colour, Education- B.Com., Chartered Accountant, Occupation- Accounts Officer (Govt.) Posted at Jaipur, Salary- 80,000 Per Month, Gotra : Self- Bayania, Mama- Aameshwari, Contact : S.K. Jain, Advocate, Murlipura Scheme, Bank Colony, Jaipur, Mob.: 9829200877, Whatsapp : 9928982101 *(May)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh J.K. Jain, DoB 23.9.1993 (at 7:55am, Gangapur city), Height- 5Ft., Education- MBA (XIME Bangalore), B.Tech. (RCEW Jaipur), Occupation - Senior Associate, HR Mindtree Limited, Bangalore, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Choudhary, Contact : E-1/325, Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 8769421338 *(May)*

★ **Archana Jain** D/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 11.11.1989 (at 05:30 AM, Alwar), Height- 5Ft., Slim, Fair, Sober & Smart, Education- M.A. (Hindi), B.Ed., Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Alwar-301001, Mob.: 9982154002, 9982993200 *(May)*

★ **Nitasha Jain** D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 05.07.1993 (at 01:45 am, Shivpuri), Height: 5'- 4", Education: B.Com, MBA, Occupation: Currently working at TCS, Gotra : Self- Rajoriya, Mob.: 9425765937, 9993978225, 9926689177 *(June)*

★ **Charu Jain** D/o Sh. Sanjay Jain, DoB 29.04.1994 (at Joura), Height: 5'-2", Education: B.Sc. DCA, Gotra : Self- Pacheriya, Mama- Behattariya, Contact : Ward No. 5, Sant Kabeer Marg, Joura, Distt. Morena (MP), Mob.: 9827819325, 9926223002 *(June)*

★ **Arpita Jain** D/o Shri Parshav Kumar Jain, DoB 22.07.1991 (at 7:02 AM, Agra), Height- 5'-1", Education- M.C.A., Working as an IPhone Developer in Jaipur, Gotra : Self- Kashmeriya, Mama- Salavadiya, Contact : 87, Scheme No. 4, Alwar, Mob.: 9414640772, 8005534044 *(June)*

★ **Sakshi Jain** (Manglik) D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 02.10.1994 (at 07:37pm, Delhi), Education- M.Com, M.Ed, Occupation- School Teacher in Delhi, Gotra : Self- Chaurambar, Mama- Baroliya, Contact : 2/17, New Market, Sadar Bazar, Delhi Cantt, Mob.: 9818342651, 9899441662 *(June)*

★ **Manisha Jain** (Manglik) D/o Sh. Paresh Kumar Jain, DoB 27.08.1995 (at 11:20am, Kota), Height- 5Ft., Education- B.Sc., M.Sc. (Mathematics), B.Ed. (Running), Gotra : Self- Barwasia, Mama- Lohkirodia, Contact : 202, Manak Bhawan, Janak Puri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409, 9461072471 *(June)*

★ **Anamika Jain** D/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 4.10.1995 (at 1:30 pm, Kota), Height-5Ft., Education- M.A. (English), Gotra : Self- Barwasia, Mama- Bhorangiya, Contact : 202, Manak Bhawan, Janak Puri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409, 9462633921 *(June)*

★ **Deepanshi Jain** D/o Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 29.11.1986 (at 2:20:17 A.M, Lucknow), Height 5'-2", Education B.Com, MBA, C.S, Occupation: Service, Gotra : Saketiya, Contact : 20-A, Khun-Khun Ji Road, Chowk, Lucknow (U.P), Mob.: 9335263546, Email : deepanshi.jain29@gmail.com *(June)*

★ **Shreya Jain** D/o Sh. Om Prakash Jain, DoB 23.05.1992 (at 11:55 pm, Alwar), Height 5'-3", Education- B.Com, LLB, Service- Max Life Insurance, Jaipur, Gotra : Self- Choudhary, Mama- Sangarvasiya, Contact : E-4, Nandpuri Colony, Hawa Sadak, 22 Godam, Jaipur, Mob.: 8239005224, 8769525863, 9414484145 *(June)*

★ **Anshu Jain** D/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 06.12.1991 (at 1:15 PM, Kota), Height- 5'-2.5", Education- B.Tech., M.Tech., Occupation- Counsellor at LBS Group, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(June)*

★ **Arpita Jain** D/o Sh. Gopal Jain DoB 25.06.1991 (at 10.35 am, Jaipur), Fair Complexion, Height 5'-2", Education- M.Sc Chemistry, MNIT College, Jaipur, Working as Self Employed Teaching Running Coaching Classes, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Bharkolia, Contact : 432, Rajni Vihar, Aimer Road, Jaipur-302024, Ph.: 0141-2354378, Mob.: 9413042927,9460474389 *(June)*

★ **Priyanka Jain** (Manglik) (Divorsed) D/o Sh. Saral Kumar Jain, DoB . . (at Aligarh), Height '- ", Fair Colour, Education- B.A., Gotra : Salf- Jewariya, Mama- Sankhiya, Contact : Jain Street, Chippite, Aligarh, Mob.: , *(June)*

★ **Dr. Pallavi Jain** D/o Sh. Rajesh Jain, DoB 11.05.1995 (at 3:25 pm, Allahabad), Height- 5ft., Fair, Good Looking, Education- BDS (Dental College, TMU, Moradabad), Gotra : Self- Sahu, Mama- Januthriya, Contact : Tower-2-813, Rudra Aakriti Appartment, Arial Chauraha, Near Jahangir Memorial Hospital, Naini, Allahabad-211008, Mob.: 9336578846, 9005155399 *(June)*

★ **Latika Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Tikam Jain, DoB 07.12.1992 (at 10:50 am, Alwar), Height- 5'-5", Fair Complexion, Education- B.Tech (Computer Science, Honours Degree), Gotra : Self- Maimuda, Mama- Kaloniya, Contact : 9414367669, 7726884348, Alwar *(June)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **मोहित जैन** पुत्र श्री नरेंद्र कुमार जैन, जन्मतिथि 16.12.1992 (प्रातः 7:40 बजे, रावतभाटा), कद– 5'–9'', शिक्षा– बी.टेक, पीजीडीसीए, बेंकिंग, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक में उप प्रबंधक पद पर जयपुर में कार्यरत, आय 6 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– आमेश्वरी, मामा– माईमुंडा, सम्पर्कः एन.के. जैन, सीनियर इंजीनियर, परमाणु ऊर्जा विभाग, रावतभाटा, फोन : 01475–235258, मो.: 9414668603 *(अप्रेल)*

★ **प्रशांत जैन** पुत्र श्री दयानन्द जैन (ठेकेदार), शिक्षा– बी.बी.ए., गोत्र : स्वयं– भामरिया, मामा– बोहरंगडंग्या, सम्पर्कः मोहन नगर, हिण्डौन सिटी, जिला करौली, मो.: 9413582621 *(अप्रेल)*

★ **मनीष कुमार जैन** पुत्र स्व. श्री महेश चन्द जैन, उम्र 32 वर्ष, कद– 5'–2'', शिक्षा– इन्टर पास, आय 12 हजार मासिक, वोडाफोन कम्पनी में कार्यरत, गोत्र : स्वयं– खैर, मामा– चौमवार, सम्पर्कः मिढाकुर, आगरा, मो.: 9627185545, 6263329781 *(अप्रेल)*

★ **हिमांशु जैन** पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार जैन, जन्मतिथि 29.05.1991 (रात्रि 11:55 बजे), कद– 5'–9'', शिक्षा– बी.ए. राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर, व्यवसाय– इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स होलसेल वर्क, जयपुर, गोत्र : स्वयं– बाकेवाले, मामा– बड़ेरिया, सम्पर्क : 43/169–बी, चौक सर्राफा, कानपुर, मो.: 9887369510, 9554957467 *(मई)*

★ **राहुल जैन** पुत्र श्री सुरेश चंद जैन, जन्मतिथि 1.6.1990 लम्बाईः 5'–6'', शिक्षाः बी.ए., आई.टी.आई., कम्पनी में जॉब, आयः 25 हजार प्रति माह, गोत्रः स्वयं– बड़वासिया, मामा– चौधरी (रेजीडेन्सी जयपुर), सम्पर्कः सुरेश चंद जैन, 8104270447, 9672017972 *(जून)*

★ **पवन जैन** पुत्र श्री रविन्द्र जैन, उम्र 28 वर्ष, लम्बाईः 5'–7'', व्यवसाय– नमकीन खोमचा, आयः 30 हजार प्रति माह, गोत्रः स्वयं– फतेहपुरिया, मामा– चौधरी, सम्पर्कः रविन्द्र जैन, खेरली, अलवर, मो.: 9549546515, 8290884642 *(जून)*

★ **सौरव जैन** पुत्र श्री बसन्ती लाल जैन, जन्मतिथि 30.9.1990 लम्बाईः 5'–8'', शिक्षाः 10वीं, जॉब– कम्प्यूटर शॉप एण्ड सर्विस, गोत्रः स्वयं– सेंगरवासिया, मामा– चौधरी, सम्पर्कः बसन्ती लाल जैन, नदबई, भरतपुर, मो.: 8440977801, 8696853145 *(जून)*

★ **संजय जैन** पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन, जन्मतिथि 13.12.1991 (प्रातः 7:50 बजे, दिल्ली), रंग गोरा, कद 5'–7'', शिक्षा बी.बी.ए., एम.ए. अध्ययनरत, निजी व्यवसाय, आय– 7.50 लाख वार्षिक, गौत्र : स्वयं– चौधरी, मामा– बडवासिया, सम्पर्क : महावीर प्रसाद जैन, दिल्ली, मो.: 9818560038, 9999037577, ईमेल : sanjujain5404@gmail.com *(जून)*

★ **राहुल जैन** पुत्र श्री शान्ती स्वरूप जैन, जन्मतिथि 15.01.1997, शिक्षा बी.एससी, इन्डियन एयर फोर्स, नासिक, मुम्बई में नौकरी, सम्पर्क : नगर पोस्ट बिचपुरी, जिला आगरा, मो.: 8439171269, 8859848756 *(जून)*

★ **रवि जैन** पुत्र श्री शीतल चंद जैन, जन्मतिथि 08.02.1994, रंग गोरा, कद 5'–10'', शिक्षा एम.कॉम. अध्ययनरत, निजी व्यवसाय, आय 7.50 लाख वार्षिक, गौत्र : स्वयं– चौधरी, मामा– चौरबम्बार, सम्पर्क : महावीर प्रसाद शीतल चंद जैन, दिल्ली, मो.: 9818560038, 9211981214 *(जून)*

★ **देवेश जैन** पुत्र श्री मनोज कुमार जैन, जन्मतिथि 19.09.1992 (प्रातः 7:25), रंग गोरा, कद 5'–9'', शिक्षा बी.टैक (कम्प्यूटर), सोफ्टवेयर इंजिनियर, मुम्बई, पैकेज 8.50 लाख वार्षिक, गौत्र : स्वयं– चौरबम्बार, मामा– अठवासिया, सम्पर्क : 7073068483, 9414906441 *(जून)*

★ **Siddarth Jain** S/o Sh. Raj Kumar Jain, DoB 08.07.1993 (at 8:00 am, Bharatpur), Height 5'-9", Education- B.Tech (Mechanical), Working in 'The Energy and Resources Institute (TERI) New Delhi, Pakage 7 LPA, Gotra : Self- Pawatia, Mama- Mimooda, Contact : Jawahar Nagar, Bharatpur, Mob.: 9414268226, 9680950505 *(April)*

★ **Deepak Jain** S/o Late Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB 04.07.1992 (at 02:40 PM, Mandawar-Mahwa Road), Height- 5'-7", Education- B.A., Occupation- Business (Iron & Hardware Shop), Income- 5 LPA, Gotra : Self- Badwasiya, Mama- Rajeshwari, Contact : Smt. Laita Jain, Mob.: 8290881975, 9413676243, Email : cpjain2185@gmail.com *(April)*

★ **Anshul Jain**, S/o Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 14.08.1990 (at 4:02 PM), Height 5'-7", Education- B.Tech (IT Branch) III Allahabad, Occupation- Sr. Software Engineer, Working with MNC, Noida, Package 30 LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama- Budelwal, Contact : 42, Brij Vihar, Phase II, Kamla Nagar, Agra (UP), Mob.: 9027644783, 9634068702, Email : scjain0044@gmail.com *(April)*

★ **Piyush Jain** S/o Sh. Mukesh Chand Jain, DoB 13.12.1991 (at 2:16 AM, Mandawar), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- B.Tech. (Civil), NIT Trichy, Tamilnadu, MS in Civil, Georgia Institute of Technology, Atlanta, USA. Occupation- Structural Engineer, Gotra : Self- Kotia, Mama- Chaurbambar, Contact : 66/187, VT Road, Mansarovar, Jaipur-302020, Mob.: 9414360455, 9001098092, Email : mjmpps@gmail.com *(April)*

★ **Neeraj Jain** (Divorsed) S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 07.04.1978 (at Alwar), Height- 5'-6", Fair Colour, Education- B.Com., Diploma in English Stenography from Govt. ITI, Computer Diploma, Occupation- Govt. Servic Accountant, Salary 6.50 LPA, Gotra : Self- Aameshwari, Mama- Barwasia, Contact : RZ-A1/49, Vijay Enclave, Palam Dabri Road, Palam, New Delhi-110045, Mob.: 8851599918, 8700674201 *(April)*

★ **Arun Kumar Jain** S/o Sh. Kamlesh Kumar Jain, DoB 12.10.1989, Height- 5'-11", Fair Color, Education- MCA, Occupation- Working as a

Business Development Manager in HDFC Bank, Jaipur, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Slabadiya, Contact : Dilip Colony, Ramghar Road, Mahuwa, Dist. Dausa-321608, Mob.: 9413969571 *(April)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 08.11.1988 (at 11:17 pm), Height: 6Ft., Education: B.Com, M.Com, MBA (Finance), CA Final (Pursuing), Occupation: Working as Credit Manager in AU Small Finance Bank Ltd. Jaipur, Income: 4.50 LPA, Gotra: Self- Baroliya, Mama- Sangarwasi, Contact: B-262, Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur, Mob.: 9414044422, 9414775486, Email: abhijn8@ gmail.com *(April)*

★ **Piyush Jain** S/o Sh. Abhay Jain, DoB 15.07.1986 (at 01:30 pm, Agra), Height: 5'-7", Education: B.Com, PGDFM, MBA (Finance & Marketing), Occupation- Asstt. Manager in Fedral Bank, Income- 10 LPA, Gotra: Self- Barolia, Mama- Kher, Contact: 2-B-10, Mahaveer Nagar-III, Kota, Mob.: 9352602503, 9460727340 *(May)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Ramesh Chand Jain, DoB 14.10.1990 (at 4:55 AM, Dausa), Height- 5'-6", Education- B.Tech (EC), Occupation- Working in Ministry of Finance, Department of Revenue, Govt. of India as "Customs Officer" in Mumbai, Salary- 77,000 per month, Gotra : Self- Khair, Mama- Behattariya, Contact : Sh. Ramesh Chand Jain, Shiv Colony, Mehandipur Balaji, Dausa (Raj.), Mob.: 9413049360, 9929271420, 8432785587 (WhatsApp) *(May)*

★ **Dushyant Jain** S/o Late Sh. D.C. Jain, DoB 12.06.1985, Height 5'-4", Working in Event Company in Mumbai, Gotra : Ganutharia, Salary 45000/- per month, Contact : H.No.13, Sch.10, Jain Mandir Ke Samne, Alwar, Mob.: 9929555451, 9024751412 *(May)*

★ **Shashank Jain** S/o Sh. Devendra Kumar Jain (Gangapur city), DoB 02.07.1991 (at 03:59 AM, Rawatbhata, Kota), Education- B.Tech (Mech.), MBA from IBS Hyderabad, Occupation- Managing Director "Lemaric Ceramic" at Hubli (Karnatakta), Gotra : Self- Barolia, Mama- Amesheriya, Contact : Sh. D.K. Jain, Project Engineer, RAPP, Rawatbhata, Mob.: 9413346539, 9414940675, Email : ushajain20a@gmail.com *(May)*

★ **Alankrit Jain** S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 04.08.1990 (at 03:12 PM, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com., Occupation- Own Business (Trading of Imported Tin Plate Sheets & Manufacturing of Tin Factory Product), Income- 8 to 10 LPA, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Deveriya, Contact : Sh. J.P. Jain, F-823/6, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412261738, Email : atc1987@rediffmail.com *(May)*

★ **Sparsh Jain** S/o Sh Sunil Kumar Jain, DoB 16.08.1989 (at 4:30pm, Kherli), Height- 5'-3", Education- M.Com, Company Secretary, Working as Company Secretary in Dhabriya Polywood Ltd., Jaipur, Gotra : Self- Kotia, Mama- Dhati, Contact : B-48, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur, Mob.: 96602 55730, Email : skjainb48@gmail.com *(May)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Diwan Kapoor Chand Jain, DoB 09.05.1988 (at 01:10 pm, Alwar), Height : 5'-6", Education- B.Tech (ECE) from NIT Jaipur, Gold Medlist, Presently Working as Sr. Lead UI/UX Associate at Noida, Package- 32.5 LPA, Gotra : Self- Amiya, Mama- Chaudhary, Contact : Diwan ji Ki Haweli, Baderia Padi, In front of Saint Niwas, Alwar, Mob.: 6378381033, 9783565383, 7303079218, Email : manish9may@gmail.com *(May)*

★ **Ateiv Jain** S/o Sh. Kamal Kumar Jain, DoB 02.04.1991 (at 11:44pm, New Delhi), Height- 5'-6", Education- B.Tech (H)- Maharshi Dayanand University & M.S. Computer Engineering from San Jose State University, Working as System Reliability Engineer in Nutanix, San Jose, California, USA, Package- 60 LPA, Gotra : Self- Baharashtak, Mama- Kotia, Contact : Plot No. 139, Pratap Nagar, Opp. Harinagar Depot, Jail Road, ND-64, Mob.: 9810406052, 9310406052, Email : kamaljain1957@yahoo.com *(May)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 28.08.1990 (at 08:25 p.m., New Delhi), Height- 6Ft., Education- B.Tech (I.T.), Profession- Working as Technical Lead in MNC .Gurgaon, Package- 21 LPA, Gotra : Self- Lokodiya, Mama- Salavadiya, Contact : WZ-302, Street No. 8, Sadhnagar, Palam Colony, New Delhi-110045, Mob.: 9810119102, Email : kidskingdom.pradeepjain@gmail.com *(May)*

★ **Arpit Jain** S/o Late Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 17.04.1987, Height- 5'-8", Fair Colour & Smart, Education- B.Com, MBA In Marketing, Job in JK Super Cement in Agra, Income- 3 LPA, Gotra : Self- Mastangiya Chodhari, Mama- Salabadiya, Contact : B-679, Near Satyam Hospital, Opp. M.M Shari School, Main Gate, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 8006924266, 9997858998, Email : arpitjain736@gmail.com *(May)*

★ **Kartik Jain** S/o Sh. Naresh Kumar Jain, DoB 23.08.1990 (at 10:40 pm, Kalol, Dist. Gandhinagar), Height- 5'-8", Education- B.Tech. (Electronics & Comm.), Working in Multinational Company QX in Ahmedabad, Gotra : Self-

Nolathia, Mama- Chandpuriya, Contact : A-201, Prathana Greens Society, Near Pramukh Aura, 'KH' Road, Saragasan Cross Road, Gandhinagar (Gujarat), Mob.: 9427626626, 9428910872, Email : ndjain2@gmail.com *(May)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Pradeep Jain, DoB 12.9.1986 (at 7:30pm, Kota), Height- 5'-8", Education- BE (Electrical) from Gyanvihar, Jaipur, Job- Engineer at Hind Construction Ltd., Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Baderiya, Contact : Behind Sarvodaya Convent School, Adarsh Colony, Kherli Phatak, Kota-324001, Mob.: 9928888727, 8094482223, Email : neetajainkota1@gmail.com *(May)*

★ **Neeraj Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 04.04.1992 (at 7:00 pm), Height- 164 Cms., Education- BCA, MBA, Contact : 8445922449 *(May)*

★ **Yougesh Jain** S/o Late Sh. Sumer Chand Jain, Age 31 Year, Occupation- Business (Genral Store), Gotra : Self- Rajoria, Mama- Khair, Contact : K-1554, Near MCD School, Road No. 19, Sangam Vihar, New Delhi-110080, Mob.: 9555322241, 7011377349 *(May)*

★ **Santosh Jain** S/o Late Sh. Sumer Chand Jain, Age 30 Year, Occupation- Job in Reliance Jio Ltd., Gotra : Self- Rajoria, Mama- Khair, Contact : K-1554, Near MCD School, Road No. 19, Sangam Vihar, New Delhi-110080, Mob.: 9555322241, 7011377349 *(May)*

★ **Kapil Kumar Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 04.03.1993 (at 11:30 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- Polytechnic Diploma (Mechanical), Computer Diploma+RSCIT, Graduate, Occupation- Working in a Private Company, Income- 2.40 LPA, Gotra : Self- Khair, Mama- Nangeshweria, Contact : H.No. 245, Shiv Colony, Mehandipur Balaji, Dausa, Mob.: 9829428416, 9784761984, 8955011011 (Whatsapp) *(May)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Anil Jain, DoB 14.11.1987 (at 04:25 am, Delhi), Education: BBA, MBA, Master Diploma BI French Language, Occupation: Working at Amezon in Banglore, Income: 11.00 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Bakliwal, Contact : 5381, Laddu Ghati, Pahar Ganj, New Delhi, Mob.: 8851950111, 9899030316 *(June)*

★ **Gaurav Jain** S/o Late Sh. Anil Kumar Jain, DoB 18.02.1988 (at 04:20 am, New Delhi), Height: 5'-11", Education: B.Com, Graduate in Hotel Management, Occupation: Supervisor in DT Line mas, Vasant Kunj, DLF Promenade, Income: 3.00 LPA, Gotra : Self- Bansal, Mama- Nageshwari, Contact : 3/4/63, Sham Singh Street, Gopinath Market, Delhi Cantt., Mob.: 9212980734, 9968002564 *(June)*

★ **Ankit Jain** S/o Late Sh. Anil Kumar Jain, DoB 05.08.1990 (at 06:35 am, New Delhi), Height : 5'-10", Education: B.Tech., Occupation: Working in MNC, Income: 6.00 LPA, Gotra: Self- Bansal, Mama- Nageshwari, Contact: 3/4/63, Sham Singh Street, Gopinath Market, Delhi Cantt., Mob.: 9212980734, 9968002564 *(June)*

★ **Sobhit Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 09.07.1987 (at 2:17 am, Firozabad), Height- 5'-7", Education- B.Com, MBA, Occupation- Own Wholesale Bangle Business, Income 6-7 LAP, Gotra : Self- Athvarsia, Mama- Kotia, Contact : 38, Gali No. 1, Durga Nagar, Firozabad (U.P), Mob.: 9267003991,7500499169 *(June)*

★ **Pankaj Jain** (Manglik) S/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 26.6.1996 (at 3:59 am), Height 5'-6", Education- M.Com, Business- Tiles & Sanitary Ware Shop, Income- 1 Lakh per Month, Gotra : Self- Rajnayak, Mama- Ledoiya, Mob.: 9214869867, 9414017510 *(June)*

★ **Tarun Jain** (Manglik) S/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 02.05.1988 (at 9:30am, Gangapur City), Hieght- 5'-3", Education- B.Tech (CS), Occupation- Self Business Patanjali Store & Distributorship, Income- 4 LPA, Gotra : Self- Barwasia, Mama- Bhorangiya, Contact : 202, Manak Bhawan, Janak Puri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409, 9462633921 *(June)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. Raj Kumar Jain, DoB 08.02.1992 (at 11:11 pm, Jaipur), Height- 6Ft., Education- B.Tech (Computer Science), Occupation- Associate Team Lead Working at Hyderabad with TechMahindra, Package- 13 LPA, Gotra : Self- Karsolia, Mama- Pavatia, Contact : 21/49, Kaveri Path, Mansarover, Jaipur, Mob.: 8005693323, 9414775720, 9414542502, Email : rajmadhu1961@gmail.com *(June)*

★ **Anubhav Jain** S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 08.09.1992 (at 10:45 PM, Alwar), Height- 5'-7", Education- B.Tech, M.Tech, ICT Jaipur, Occupation- Senior Data Developer, Dunnhumby Gurugram, Package: 11 LPA, Gotra : Self- Janthuriya, Mama- Sagarwasiya, Contact : Sh. Arvind Kumar Jain, D-72, H.M.M Nagar, Alwar, Mob.: 9414367288 *(June)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 03.12.1989 (at 12:35pm, Agra), Height- 6ft.,Fair Complexion, Education- M.Com, Occupation- Business Two Wheeler (Spare Parts Shop) Wholesale, Income- In 6 digits Figure, Gotra : Self- Barwasia, Mama-Kashmirya, Contact :

9783736290, 9782486003 (Dausa), Whatsapp : 8946980104, Email : jain.0321@mohit@gmail.com *(June)*

★ **Pallav Jain** S/o Sh. Vimal Kumar Jain, DoB 02.07.1991 (at 1:40 am, Jaipur), Height 5'-11.5", Education- B.Tech (EEE) SRM University Modi Nagar Campus, Occupation- Field Service Egineer with Thermo Fisher Gurgaon, Income 7.5 LPA, Gotra : Self- Ameshwari, Mama- Badwasiya, Contact : 9460421858, 9460554624, Email : vimaljain41@yahoo.co.in *(June)*

★ **Rohit Jain** S/o Sh. Gajendra Kumar Jain, DoB 05.10.1990 (at 7:25pm, Kota), Height 5'-11", Education- B.Tech NIT Allahabad, Currently Working with Zest Money, Income- 28 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Baroliya, Mob.: 9425842898 *(June)*

★ **Ashish Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 01.04.1990 (at 1:55 PM, Kota), Height- 5'-5.5", Education- B.Tech. (Civil), Occupation- Project Engineer in a renowned Construction Co. at Silvassa, Income- 6.30 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(June)*

★ **Vaibhav Jain** S/o Late Sh. Subhash Chand Jain, DoB 19.10.1987 (at 5:10 AM, Alwar), Height 5'-8", Education- B.Com., M.B.A. (Finance), Profession- Asstt. Manager (Scale I) The Lakshmi Vilas Bank Ltd., Jaipur, Salary- 65000/- + Allowance, Gotra : Self- Aameshwariya, Mama- Kashmariya, Contact : Smt. Shashi Jain, H.No. 1/658, Kala Kuan, Housing Board Colony, Aravali Vihar, Near Jain Mandir, Alwar, Mob.: 9414277217, 9829677217, Email : arpit23.1984@gmail.com *(June)*

★ **Nikhil Jain** S/o Sh. Sanjay Kumar Jain, DoB 08.01.1994, Height 5'-5", Education- B.Com, M.Com, MBA (Persuing), Job- Bencardo Bathwaer Pvt. Ltd, Package- 3.6 LPA, Gotra :Self- Kher, Mama- Bohrangya, Contact : 4-H-11, Mahaveer Nagar 3rd, Kota, Mob.: 9887867471, 9887391954 *(June)*

★ **Anubhav Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 07.11.1988 (at 8:57 am., Kota), Height 5'-8", Education- B.Tech in Information Technology, Profession- Software Engineer at Shubhahish Reliantekk, Jaipur, CTC (5.28 LPA), Gotra : Gandharva, Contact : Ekta Cottage, United Colony, Opposite Petrol Pump, Station Road, Kota-324002, Mob.: 9829765899, 7597941109, Ph.: 0744-3289 99, Email : anubhav.advt@gmail.com, vaibhav.jain.network @gmail.com *(June)*

★ **Palash Jain** S.o Sh. Pushpendra Jain, DoB 17.01.1991 (at 9:21 pm, Binaganj, Guna), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- Bachelor of Engineering and MBA (Finance Administration), Occupation- Currently Working as a Senior Application Consultant for Batchmaster Software Pvt. Ltd., Indore, Package- 8 LPA, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Bhehttariya, Contact : 401, Abhishek Avenue, 9D, Slice 4, Scheme No.78, Vijaynagar, Indore-452010, Mob.: 9827072810, 9424072822, Email : palashjainec@gmail.com *(June)*

★ **Apoorv Jain** S/o Sh. Sunil Jain, DoB 11.04.1989 (at 05:10 AM, Surat), Height- 5'-11", Education- PGDM (Marketing) from AICAR Business School, Working in the Marketing Team of Star Sports, Mumbai, Contact : M-1104, Jolly Residency, Vesu Surat -395007, Mob.: 9825616040, 9825147649 *(June)*

★ **Ankur Jain** S/o Late Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 07.11.1987, Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- Polytechnic Diploma in Civil, Profession- Owner of Vardhman Collection, Churi Market, Alwar, Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Ledoriya, Contact : Chagan Vilas, Outside Delhi Gate, Alwar, Mob.: 8440835252, 9460685452, 8302782426, 0141-2785235, Email : ankurjain137@gmail.com *(June)*

★ **Prakshal Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 30.08.1992, Height 6'-2", Educational- CCAB, CA, CS, B.Com, Job- Partner in Rajvanshi & Associates, Jaipur, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Bhatariya, Contact : 16/538, Chopasani Housing Board, 17 Sector Main Road, Behind Shri Riddhi Siddhi Ganesh Temple, Jodhpur-342008, Ph.: 0291-2753457, Mob.: 9413649165, WhatsApp : 8107593346, Email : prakshaljain27@gmail.com *(June)*

★ **Puru Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 23.05.1992 (at 5:20 am, Kota), Height- 5'-8", Education- B.Tech (CS), Occupation- Associated Engineer in Elenjical Solution (S. Africa) Company at Mumbai, Package 15 LPA, Gotra : Self- Gandharve, Mama- Baroliya, Contact : Sh. Anil Kumar Jain, Eakta Cottage, Enited Colony, Opp. Petrol Pump, Station Road, Kota Jn., Mob.: 9460813350, 9460813349 *(June)*

★ **Palash Jain** S/o Sh. Deepak Jain, DoB 20.08.1993 (at 7:20 am, Jaipur), Height- 5'-8", Education- B.Tech (MNIT Jaipur), Occupation- Associate Manager at Hindustan Zinc (Vedanta

Group), Udaipur, Package 11.5 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Kher, Contact : 14, Ganga Path, Suraj Nagar (West), Civil Lines, Jaipur, Mob.: 8824222282, 9414442435, Email : palashgems@rediffmail.com *(June)*

★ **Karan Jain** S/o Sh. Tikam Jain, DoB 24.01.1994 (at 7:58 pm, Alwar), Education- B.Com, Job- Axis Bank, Salary 35,000 per month, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Kaloniya, Contact : 316, Arya Nagar, Alwar, Mob.: 9414367669, 7726884348 *(June)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Praveen Chand Jain, DoB 09.06.1991 (at 9:45 am, Hindauncity), Height- 5'-8", Education- B.Tech (CS), Occupation- Sr. QA Engineer at Metacube Software Pvt. Ltd., Jaipur, Package 7.50 LPA, Gotra : Self- Bahattariya, Mama- Bayaniya, Contact : Praveen Jain, Hindauncity, Mob.: 9460441798, 9829104138 *(June)*

★ **Ankit Kumar Jain** S/o Late Sh. Nawal Kishore Jain, DoB 30.10.1989 (at Alwar), Height- 5'-7", Education- B.Tech (CS), Occupation- Assistant Manager in Government PSU Bank, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Ameshwari, Contact : 1/75, Kala Kua, Alwar, Mob.: 9413068678, 7737450147 *(June)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Rajesh Jain, DoB 30.07.1990 (at 5:20 am, Allahabad), Height- 5'-6", Education- MBBS 2010 Batch (M.L.N. Medical College, Allahabad), 3rd Year Post Graduate in MD Pediatrics (Lady Hardinge Medical College, New Delhi), Gotra : Self- Sahu, Mama- Januthriya, Contact : Tower-2-813, Rudra Aakriti Appartment, Arial Chauraha, Near Jahangir Memorial Hospital, Naini, Allahabad-211008, Mob.: 9336578846, 9005155399 *(June)*

★ **Satyam Jain** S/o Sh. Bhola Ram Jain Pansari, DoB 08.07.1993 (at 1:42 am, Joura, Morena), Height- 5'-6", Education- BBA, MBA (ITM University, Occupation- Wholesale and Retail Medical Shop, Income 6 LPA, Gotra : Self- Nagesuriya, Mama- Dangya, Contact : 303, Badri Vishal Plaza, Near Old High Court, Lashkar, Gwalior, Mob.: 9425757414, Email : satyam414@gmail.com *(June)*

* * * * *

जुबान की पहचान गुण और अवगुण

- कड़वी जुबान के 100 फायदे हैं और मीठी जुबान के हजार फायदे हैं। रावण ने कड़वा बोलकर अपने सगे भाई को खो दिया था, वहीं राम ने मधुरवाणी बोलकर दुश्मन के भाई को भी अपना दोस्त बना लिया था।
- हम जब भी बोलते हैं, दो में से एक काम जरूर करते हैं या तो किसी के दिल में उतरते हैं या किसी के दिल से उतरते हैं। मधुर बोलने वाला व्यक्ति पड़ौसी के दिल में भी उतर जाता है, वही टेढ़ा बोलने वाला व्यक्ति घरवालों के दिल से भी उतर जाता है।
- शरीर में घाव लगे हों तो दवा से ठीक हो जाता है। जुबान में घाव लगे हों तो बिना दवा के ठीक हो जाता है, पर जुबान से घाव लगे हों तो उसे ठीक करने में डॉक्टर भी असफल हो जाते हैं।
- पूरी दुनिया में जुबान ही ऐसी चीज है जहां जहर और अमृत एक साथ रहते हैं। जुबान का अच्छे ढंग से इस्तेमाल करेंगे तो यह अमृत बरसाएगी वहीं गलत तरीके से इस्तेमाल करेगें तो यह जहर उगलेगी।
- कभी व्यंग्य या मजाक उड़ाते हुए किसी से बात मत कीजिए। शब्दों के दांत नहीं होते, पर उनका दर्द काटने से भी ज्यादा होता है। याद रखिये लाठी व पत्थर से हड्डियाँ टूटती हैं, पर कड़वे संबंधों से तो हमारे संबंध ही टूट जाते हैं।
- परिवार में कैसी भी बात बिगड़ जाए, पर बोल–चाल बंद मत कीजिए। आदमी को असली तकलीफ तब नहीं होती जब कोई अपना दूर चला जाता है, अपितु असली तकलीफ तब होती है, जब कोई पास रहकर भी बोल–चाल बंद कर देता है।
- जब भी बोलें सोचकर और तौलकर बोलें। जो सोचकर बोलता है उसे बोलने के बाद कभी सोचना नहीं पड़ता और जो बिना सोचे बोलता है उसे बोलने के बाद सोचने के अलावा कोई काम नहीं बचता।
- हमेशा इष्ट, शिष्ट और मिष्ट बोलिए। अगर आप मधुर बोलेंगे तो बहु भी आप के साथ रहना चाहेगी और कड़वे बोलेंगे तो आपकी बेटी भी आपसे दूर हो जाएगी।
- लोग अपनी आँखें और होठों को सुन्दर बनाने की मशक्कत करते हैं, आप जुबान को सुन्दर बनाने की पहल कीजिए। आँखों का काजल और होठों की लाली सुबह की शाम तक फीकी पड़ जाएगी, पर जुबान की मधुरिमा आपको जीवन भर सुन्दर बनाती रहेगी।

*संकलनकर्त्ता : **रविन्द्र कुमार जैन***
चौरसियावास रोड, द्वारका नगर,
गली नं. 2, अजमेर

सौजन्य में महानता

❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊

आँधी को अपनी शक्ति पर बड़ा घमण्ड था। एक दिन चलते–चलते उसने अपनी छोटी बहन मंदवायु से कहा – तुम भी क्या धीरे–धीरे बहती रहती हो। तुम्हारे चलने से एक पत्ता तक नहीं हिलता, जबकि मेरे प्रचंड वेग के आगे बड़े–बड़े वृक्ष धराशायी हो जाते हैं। जब मैं उठती हूं तो दूर–दूर तक लोग मेरे आने की खबर चारों ओर फैला देते हैं । मुझे देखकर लोग खिड़की दरवाजे बंद कर अपने घरों में दुबक जाते हैं, पशु पक्षी अपनी जान बचाकर इधर–उधर भागते फिरते हैं। मेरे प्रभाव से बस्तियाँ धूल में मिल जाती हैं। क्या तुम नहीं चाहती कि तुम्हारे भीतर भी मेरे समान शक्ति आ जाए ? आँधी की ये बातें सुनकर मंदवायु हौले से मुस्कराई, मगर उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह धीरे–धीरे अपनी यात्रा पर बढ़ चली। उसे आते देखकर नदियां, ताल, जंगल, खेत सभी मुस्कराने लगे। बगीचों में तरह–तरह के फूल खिल उठे। रंग बिरंगे फूलों के गलीचे बिछ गए। वातावरण महक उठा। पक्षी कुंजों में जाकर विहार करने लगे। ऐसा लग रहा था मानो पूरी प्रकृति अपनी बाहें पसारकर उस मंदवायु का स्वागत करने को आतुर हो। ऐसा लग रहा था मानो पूरी प्रकृति अपनी बाहें पसार कर उस मंदवायु का स्वागत करने को आतुर हो। इस तरह अपने कार्यों द्वारा मंदवायु ने अपनी शक्ति का परिचय आँधी को आसानी से करा दिया। यह देखकर आँधी बोली–मैं ही गलत थी बहन। भले ही मेरा वेग और पराक्रम तुमसे अधिक हो, पर सकारात्मक प्रभाव तो तुम्हारा ही अधिक है। यही कारण है कि तुम्हारे आने से चारों ओर इतनी खुशियाँ फैल जाती है। सज्जन व्यक्तियों का जीवनक्रम भी मंदवायु के समान चारों ओर सुरभि, सौंदर्य और प्रसन्नता फैलाने वाला होता है। वे पराक्रम में नहीं, अपने सौजन्य में महानता देखते हैं। यही कारण है कि वे हर जगह सम्मान पाते हैं।

पूज्य पिताजी एवं पूज्य माताजी की

पुण्य स्मृति में

स्व. श्री अमीर चन्द्र जी जैन *(कपड़े वाले)*
(स्वर्गवास 07-06-2009)

स्व. श्रीमती अशर्फी देवी जी जैन
(स्वर्गवास 16-10-2002)

श्रद्धावनत

पुत्र–पुत्रवधु :
विनोद कुमार जैन–सुधा जैन
पौत्र–पौत्रवधु :
निशान्त जैन (M.S.)–साक्षी जैन

पौत्री–दामाद :
मीनाक्षी–गौरव जैन
तनूजा जैन (SAP Cloud Consultant)
पड़पौत्री : रोशिका जैन

प्रतिष्ठान :
जैन अमीर टैक्सटाइल
(जैन्ट्स क्लोथ डीलर)
रेमण्ड, रीड एण्ड टेलर एवं उच्च कोटि के सूटिंग–शर्टिंग

Residence :
406, Nai Basti, Sant Talkies Road,
Firozabad-283203

(M) 9412160859, 7060443607

Shop :
47, Chandra Shekar Market
Sadar Bazar, Firozabad-283203

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION

TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2008 & ISO 14001 : 2004 CERTIFIED COMPANY)
C-21, U.P.S.I.D.C., SITE- C, SIKANDRA,
AGRA - 282007 (U.P.) INDIA
Tel. : +91-562-3641818, 2641422
Fax : +91-562-2642059
e-mail : kotsons@kotsons.com
website : www.kotsons.com
Work at : Agra, Alwar & Uttaranchal

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

RNI NO. RAJHIN/2012/47438
Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No. RAJ/P/2017/279

Pearl
Build Trust & Loyalty

Bring Love, Happiness and Family

Everything almost everything else is already here.

- INDOOR GAMES
- PARTY HALL
- LIBRARY
- GYMNASIUM
- MASSAGE, STEAM, SAUNA BATH
- HOME THEATRE
- POWER BACKUP FOR COMMON AREA
- RAIN WATER HARVESTING
- CCTV COMMON AREA
- FIRE FIGHTING SYSTEM
- INTER COM FACILITY
- DTH CONNECTION
- GAS BANK FOR 1 & 2 BHK

PEARL SUNRISE RC

अपनेपन का अहसास

616	Studio Apartments
168	1 BHK Including EWS
140	2 BHK

"Pearl Sunrise RC", opp. Japanese Industrial Zone, Jaipur-Delhi Highway, NH-8, Neemrana, Rajasthan

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 Pearl Tower | 6 Townships

Promoter : Standford Developers (A Pearl Group Venture)

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, Jaipur - 302001. INDIA. Ph. : +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

PRINTED MATTER
If Undelievered, please return to
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क,
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी - अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक-प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।